



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 3, 1977 (अग्रहायण 12, 1899)

No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 3, 1977 (AGRAHAYANA 12, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक, 28 अक्टूबर 1977

सं० 32014/1/77-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा मे स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग) श्री एम० पी० मेहरा को जिन्हें समसच्चाक आदेश दिनांक 15 सितम्बर, 1977 द्वारा 15-10-1977 तक वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 16-10-1977 से 28-12-1977 तक, अधधवा अगमी आदेशो तक, जो भी पहले हो, उसी हेसियत मे पूर्ण आस्थायी और तदर्थ आधार मे स्थानापन्न रूप मे कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

प्र० ना० मुख्यर्जी,
शावर सचिव

प्रबंधन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 अगस्त 1977

फा० स० ए०-11/15/77-श्री ए० सारगपाणि, निरीक्षक, आयकर, निची को प्रबंधन निदेशालय के मद्वास क्षेत्रीय कार्यालय

मे दिनांक 28-7-77 (पूर्वाह्न) से शागले आदेशो तक के लिये प्रबंधन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न के रूप मे नियुक्त किया जाता है।

जे० ए० अरोड़ा,
उप-निदेशक (प्र०)

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण द्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 नवम्बर 1977

सं० ए०-19021/4/77-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद से जम्मू तथा कश्मीर सर्वग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री बीरभा एवाल्ली को दिनांक 31-10-77 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण द्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) के रूप मे नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 नवम्बर 1977

सं० ओ० दो० 247/70-स्था०—श्री प्रीतम सिंह ने उनके मरकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 2वीं वाहिनी, के० रि० पु० दल के पद का कार्यभार 8-8-1976 (अपराह्न) को त्याग दिया।

सं० ओ० II—1076/77-स्था०—राष्ट्रपति डाक्टर (श्रीमती) बीना गुप्ता को अस्थाई रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड-I (सहायक कमांडेट) के पद पर 24-10-1977 अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 नवम्बर 1977

सं० ओ० II—1046/76-स्था०—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर कोशी एयापन को, 31-10-1977 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उभा तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाए।

दिनांक 14 नवम्बर 1977

सं० ए० छ० 17/75-स्था०—राष्ट्रपति मेजर अजायब सिंह (सेवा निवृत्त) के पुर्तनियुक्ति पर उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर के० रि० पु० दल में आगामी आदेश जारी होने सक नियुक्त करते हैं।

2. मेजर अजायब सिंह ने के० रि० पु० दल के ग्रुप सेंटर, गोहाटी में उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर) के पद का कार्यभार दिनांक 25-10-1977 के पूर्वाह्न से सभाला।

ए० के० बन्दोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110002 दिनांक 2 नवम्बर 1977

सं० ई०-38013 (3)/27/75-कार्मिक—थुम्बा से स्थानातरित होने पर, श्री आर० जी० थाम्पी ने 20 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट कोचीन पोर्ट ट्रस्ट, कोचीन में सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार सभाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/27/77-कार्मिक—कोचीन से स्थानातरित होने पर, श्री सी० रामस्वामी ने श्री के० ए० पुष्पम सहायक कमांडेट के स्थान पर, 16 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट भारत मरकार टकमाल, हैदराबाद में सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार सभाल लिया। श्री के० ए० पुष्पम, सहायक कमांडेट, ने उसी तारीख के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 11 नवम्बर 1977

सं० ई०-38013 (3)/13/77-कार्मिक—दुर्गपुर में स्थानातरित होने पर, श्री एस० एम० सेनी ने 5 सितम्बर, 1977 के प्रपराह्न से के० ओ० सु० ब० ट्रेनिंग रिजर्व, नई दिल्ली के सहायक कमांडेट का पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1977

सं० प्रशा०/17-14/77—अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य श्री किदार नाथ कपूर को आगामी आदेश तक दिनांक 19-10-77 से स्थानापन्थ तौर पर लेखा परीक्षा अधिकारी 840-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतनमान में मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में नियुक्त किया जाता है।

रघुनन्दन जोशी,
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियमक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 9 नवम्बर 1977

सं० 71019 (9)/77-प्रशा०:-II—राष्ट्रपति, सन् 1975 में, सघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम स्वरूप, श्री दिलीप कुमार विश्वास को, परीक्षार्थी के रूप में, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में दिनांक 14 जुलाई, 1976 (पूर्वाह्न) से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वी० एस० भीर,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

भारतीय आईनेंस फैक्टरीया सेवा

महानिदेशालय, आईनेंस फैक्टरीया

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1977

सं० 73/77/जी०—शार्धक्य निवृत्त आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री सुकुमार बैनर्जी, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन) दिनांक 30 जून, 1977 (अपराह्न) से सेवानिवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिलाय,
सहायक महानिदेशक

झी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा

महानिदेशालय, आईनेंस फैक्टरीया

कलकत्ता-700069, दिनांक 9 नवम्बर 1977

सं० 74/77/जी०—शार्धक्य निवृत्त आयु प्राप्त कर, श्रीमती रानू राजागोपालन्, स्थानापन्थ सहायक स्टाफ अफसर/मौलिक एवं स्थायी सहायक दिनांक 31-10-77 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुई।

सं० 75/77/जी० - बार्धक्य निवृत्त आयु प्राप्त कर, श्री काली-दास गुहा स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर/मौलिक एवं स्थायी सहायक दिनांक 31-10-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डॉ० पी० चक्रवर्ती,
सहायक महानिदेशक- (प्र-II)
हृते महानिदेशक, आडनेन्स फैक्टरियाँ

उद्योग मत्वालय
(ओद्योगिक विकास विभाग)
कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)
नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1977

सं० 12 (9)/61-प्रशा० (राजपत्रित) — मिजोरम शासन में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तित होने पर श्री एम० सी० शर्मा ने दिनांक 12 सितम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग आखा संस्थान भिवानी में सहायक निदेशक (वर्ग-I) (ओद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 19018/289/77-प्रशा० (राजपत्रित) — संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर श्री बड़ाली सत्यनारायण मूर्ति को राष्ट्रपति जी दिनांक 7 अक्टूबर, 1977 से (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप-निदेशक (रसायन) के पद पर संयुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के फलस्वरूप श्री बड़ाली सत्यनारायण मूर्ति ने दिनांक 7 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान अद्वावाद में उप-निदेशक (रसायन) के पद का कार्यभार संभाला।

वी० बेंकटारायलु,
उप-निदेशक (प्रशा०)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 9 नवम्बर 1977

सं० सी०- 5300/707-—श्री पी० सी० मित्रा, ड्राफ्टसमून, डिवीजन I, सलेक्शन प्रेड, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, को 29 जून, 1977 से 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के नेतृत्वमान से अधिकारी सर्वेक्षण (श्रृंग 'बी०') के पश्च पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है तथा सं० 4 आरेखण कार्यालय (द० स०) बैंगलूर में स्थानान्तरित किया जाता है।

के० एल० खीसला
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति अधिकारी)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1977

सं० एफ० 11-14/76-ए०-I—श्री पी० आर० मलिक, स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) जिन्हे संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रत्यक्ष भर्ती कोटा के प्रत्यंगत चुना गया है। उन्हें दिनांक 24 अगस्त, 1977 से आगामी आदेशों तक विभागीय पदोन्नति कोटा के प्रत्यंगत नियमित आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० एफ० 11-14/76-ए०-I—श्री निर्मल कान्त, सहायक अभिलेखाधिकारी (प्रेड-I) (सामान्य) और तदर्थे आधार पर स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) को नियमित अस्थायी आधार पर दिनांक 24-8-77 से आगामी आदेशों तक अभिलेखाधिकारी (सामान्य) नियुक्त किया जाता है।

सं० एफ० 11-9/77-ए०-I—निम्नलिखित सहायक अभिलेखाधिकारी (प्रेड-I) (सामान्य) को 2-1-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक बिल्कुल तदर्थे आधार पर स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) (श्रेणी-2 राजपत्रित) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

1. श्री एम० के० डोगरा

2. श्रीमती ए० कान्त

यह नियुक्ति बिल्कुल तदर्थे आधार पर की गई है और इस प्रेड में नियमित करने के लिये किसी प्रकार का दावा करने का अधिकार नहीं दिया जायेगा और इस प्रेड में की गई सेवा की वरिष्ठता मध्यमी उद्देश्य और उच्च प्रेड में पदोन्नति मध्यमी योग्यता के लिये नहीं गिना जायेगा।

सं० एफ० 11-12/77-ए०-I—श्री जे० एल० भट्टाचार्य, महायक अभियन्ता द्वारा अधिकार से लौटकर कार्य पर उपस्थित होने के परिणामस्वरूप श्री जे० पी० भट्टाचार्य, स्थायी फोरमैन (मकैनिक) एवं स्थानापन्न सहायक अभियन्ता (राजपत्रित श्रेणी-2) नियुक्ति के लिये दावा करने का कोई अधिकार नहीं देगी और नहीं अगले उच्च प्रेड में पदोन्नति संबंधी अहंता और वरिष्ठता के उद्देश्य के लिये इसे गिना जाएगा।

सं० एफ० 11-12/77-ए०-I—श्री जे० पी० भट्टाचार्य, फोरमैन मैकेनिक 1 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक बिल्कुल तदर्थे आधार पर स्थानापन्न सहायक अभियन्ता (राजपत्रित श्रेणी-2) नियुक्ति के लिये दावा करने का कोई अधिकार नहीं देगी और नहीं अगले उच्च प्रेड में पदोन्नति संबंधी अहंता और वरिष्ठता के उद्देश्य के लिये इसे गिना जाएगा।

एस० एन० प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1977

सं० 10/118/77-एस०-3—महानिदेशक, आकाशवाणी,

श्री जे० के० मेहता को, दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ में दिनांक 2-8-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 नवम्बर 1977

स० 15/182/62-एस०-3—महानिदेशक, शाकाशवाणी, श्री गुनाम मोहिउद्दीन को उनकी बहाली पर दिनांक 8-8-77 (पूर्वाह्नि) से रेडियो कश्मीर, जम्मू में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 14 नवम्बर 1977

स० ए० 12018/2/74-सिबन्दी-I—सूचना और प्रसारण मन्त्रालय के आदेश स० ए० 12018/4/77 एफ० (ए०) दिनांक 26-10-1977, के अनुसार फिल्म प्रभाग में ले आउट आर्टिस्ट के पद राजपत्रित होने से निन्नलिखित कर्मचारी दिनांक 1-11-1977 से राजपत्रित माने जायेंगे।

(1) श्री ए० मृही० देवीदामन् (स्थानापन्न ले आउट आर्टिस्ट) जो मौजूदा समय में राजपत्रित पद इन विट्रीन अनिमेटर पर छुट्टी रिक्त समय में स्थानापन्न है।

(2) श्री डी० टी० रोकडे, (स्थानापन्न ले आउट आर्टिस्ट) ले आउट आर्टिस्ट के पद प्रूप बी० मे है। और उसकी वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 है।

मुशीर अहमद
प्रमुख निमता

स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1977

स० ए० 11017/5/76-के० स० स्वा० यो० I—18 अगस्त, 1977 की अधिसूचना स० ए० 11017/5/77-के० स्वा० से० यो०-I के क्रम में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० ए० मृ. बी० सिंह को 1 अक्टूबर, 1977 से 31 दिसम्बर, 1977 तक आगे की अवधि के लिये अधिकारी नियमित पदाधिकारी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा योजना, बगलौर में आयुर्वेदिक फिजीशियन के पद पर नदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एस० भाटिया,
उप-निदेशक प्रशासन
(केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना)

नई विल्ली, विनाक 14 नवम्बर 1977

स० ए० 31014/2/77- (एच० क्य०)/प्रशा०-I—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने श्री के० सी० गर्ग को 26 मई, 1977 से स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय के गाब्दीय श्रायुषिकान पुस्तकालय में लाइब्रेरियन ट्रेन्ड-I के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

श्रीम लाल कुठियाला
उप-निदेशक प्र०

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1977

स० 12-4/77-स्था० (I)—कृषि एवं सिंचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग) की विभागीय पब्लिकेशन मिनिति समूह 'बी०' की सिफारिश पर व्यवसाय प्रबन्धक के पद पर श्रस्थाई तौर पर असीन श्री जोन नाग को दिनांक 10-9-1975 से विस्तार निदेशालय कृषि व सिंचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग) में व्यवसाय प्रबन्धक के स्थायी पद (राज प्रतित) (अलिप्तिक वर्गीय) वेतनमान रु० 840-40-1000-द०रो०-40-1200) पर मौलिक रूप से नियुक्त किया गया।

चन्द्र प्रकाश,
प्रशासन निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भण्डार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 26 अक्टूबर 1977

स० डी० पी० एस०/23/2/77/स्था०/32063—इस निदेशालय की दिनांक 11 अक्टूबर, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भण्डार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय के केन्द्रीय भण्डार यूनिट के भण्डारी श्री ए० मृ. बी० शेख को इसी निदेशालय में 19 अक्टूबर, 1977 के आराह्त तक की श्रीर अवधि के लिये तदर्थं आधार पर सहायक भण्डार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

संदर्भ: डी० पी० एस०/41 (2)/77-प्रशा०/32069—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भण्डार निदेशक इस निदेशालय के द्वार्म्बे स्थित केन्द्रीय भण्डार एकक के भण्डारपाल श्री बी० वाई० गोखले को तदर्थं आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उसी निदेशालय में 1 जून, 1977 से 31 अक्टूबर, 1977 तक के लिये स्थानापन्न सहायक भण्डार अधिकारी श्री टी० आर० ए० थम्पी के स्थान पर की जा रही है, जिनकी नियुक्ति भण्डार अधिकारी के पद पर हो गई है।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास क्षेत्रीय क्रय एकक

मद्रास-600 006, दिनांक 2 मितम्बर 1977

मदर्द एम० आर० पी० य०/200 (105)/77-प्रशा०—
निदेशक, क्रय एवं भण्डार, ने इस कार्यालय की दिनांक 19-7-
77 की समसंख्यक अधिकारी के क्रम में, श्री के०उम्रीकुमार को,
जो क्रय एवं भण्डार निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय क्रय एकक में
परिवहन एवं निकासी पक्ष में भडारी के पद पर स्थानापन्न रूप से
कार्य कर रहे हैं, उसी यूनिट में सहायक भडार अधिकारी के पद पर
स्थानापन्न रूप में की गई नियुक्ति की अवधि को 15 सितम्बर,
1977 तक बढ़ा दिया है।

दिनांक 14 अक्टूबर 1977

संदर्भ: एम० आर० पी० य०/200 (18)/77-प्रशा०—
क्रय एवं भण्डार निदेशक, क्रय एवं भण्डार निदेशालय, के मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, कलपकम में स्थित (भडार) एकक के स्थानापन्न भडारपाल श्री बी० दंगपणि को उसी एकक में 19 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 26 अक्टूबर, 1977 तक के लिये स्थानापन्न सहायक भडारी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी,
क्रय अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० ए-38012/1/77-ई०सी० श्री के० बी० एस० मूर्ति, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक सचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास ने निवेतन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 30 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार स्थान दिया है।

सत्य देव शर्मा
उप-निदेशक प्रशा०
हमे महानिदेशक नागर
विमानन

विवेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1977

स० 1/412/77-स्था० विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वयारा मद्रास शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री पी० श्रीनिवासलु को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 19-5-76 से 11-6-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

स० 1/412/77-स्था० विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वयारा मद्रास शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री पी०

श्रीनिवासलु को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 6-5-77 से 8-6-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

निर्माण, आवास, पूर्ति और पुनर्वास मन्त्रालय,
पूर्ति विभाग
राष्ट्रीय परीक्षण गृह,

कलकत्ता-27, दिनांक 8 नवम्बर 1977

सौ. जी-65/बी०(कान) अधोहस्ताक्षरित हसी द्वारा गण्डीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के वैज्ञानिक सहायकों (रसायन) सर्वश्री ए० के० दत्त गुप्त और महादेव भट्टाचार्य को यथाक्रम 7-10-77 (अपराह्न) और 15-10-77 (अपराह्न) से आगामी आवेषों तक उसी कार्यालय में तदर्थ वैज्ञानिक अधिकारीयों (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० विश्वास,
युम निदेशक
राष्ट्रीय परीक्षण गृह,
अलीपुर, कलकत्ता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

कम्पनी कार्य विभाग
(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी रजिस्ट्रार गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना भेसर्स चब्रमा बेनीफिट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद-380009, दिनांक 14 नवम्बर 1977

स० 1576/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी न० 4/1977 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायलय के तारीख 8-8-1977 के आवेश द्वारा भेसर्स चब्रमा बेनीफिट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आवेश दिया गया है।

ज० गो० गाथा
प्रमंडल पंजीयक गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिन्दू पब्लिशर्स लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1977

स० जी०/861/500/1021/8941—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 के उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वयारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान

पर हिन्दू पब्लिशर्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कपनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि पेरियूर भारत गिप्पिंग
फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में।

मद्रास-67, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

स० 2131/लिख०/5-560/(5)/75—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि दि पेरियूर भारत गिप्पिंग फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

पी० अम्बुर्णा,
कपनियों का उप-रजिस्ट्रार

सगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० 36/12/77-ए० डी० डी० एम० एस०—सीमा सुरक्षा महानिशालय के उप-कमांडेंट श्री डी० दत्ता ने अपनी प्रतिनियुक्ति के चयन पर सगठन एवं प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में 29-10-77 (अपराह्न) से उप-सिस्टम अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है।

स० 36/13/77-ए० डी० डी० एम० एस०/टि० 1025—मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के कार्यालय में सहायक निदेशक (तदर्थ) स्थानापन्थ पद पर कार्य कर रहे श्री आर० के० कम्पोजिया, स्थाई माल्यकी अन्वेषक ने अपनी प्रतिनियुक्ति के चयन पर सगठन एवं प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर) में 1-11-1977 (पूर्वाह्न) से सिस्टम अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है।

जगदीश चन्द्र
निदेशक

प्ररूप धार्हा० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोर्चीन-15, दिनाक 14 नवम्बर 977

निदेश सं० एल० सी० 149/77-78—यत मुझे सी०
पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सख्त अनुसूचित अनुसार है, जो एरणाकुलम
विल्लेज में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 10-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्थि आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

मत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की
उपशारा(1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :

1. (1) श्री पी० एन० केशवन नायर
- (2) श्री जयशंकर (पी० एन० केशवन नायर के द्वारा)
- (3) शान्ती (पी० एन० केशवन नायर के द्वारा)
(अन्तरक)

2 श्री वी० वासुदेवामेनोन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

Two storeyed building bearing door No. XXXVI/754,
Cochin Corporation along with 5608 Cents of lands in
Survey No. 5391/1 of Ernakulam Village vide Schedule to
Doc No. 627/77 dated 10-3-1977 of Sub Registry, Ernakulam.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 14-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सी० अर्जन रेज-IV, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निवेश सं० ए० सी० 22/अर्जन रेज-IV, कल/77-78—
अतः, मुझे, पी० पी० सिंह

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 159/14 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड मे स्थित है (और इससे उपाधि अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 11-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, देसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्तृश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे अन्तरण मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्रीमती प्रतिभा सेनगुप्ता
(ii) श्री फनिभुषन सेनगुप्ता (अन्तरक)
2. दि अमन्यली आफ गड चार्च (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों प्राप्ति और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

159/14, नेताजी सुभाष चन्द्र रोड, टालिगजा, कलकत्ता मे स्थित 11 कट्टा 11 छटाक 27 स्टॉ० फिट जमीन तथा उस पर निमित 3 मंजिला मकान जो कि अलिल सं० 1017, तारीख 11-3-1977 मे पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 14-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

१. श्री प्रदीप कुमार आर्या

(अन्तरक)

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्वेश सं० ए० सी० 21/अर्जन रेज-IV/कल०/77-78—
यतः मुझे, पि० पि० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'मेरे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी स० पि० 28 है तथा जो सि० आई० टी० रोड, स्कीम स० VI ए० में स्थित है (आगे इससे उपाबन्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-77 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्त्ता करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/पा-

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसार मेरे, मैं, उस अधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-356GI/77

2. (1) श्री मधुरा प्रसाद अग्रवाल
- (2) श्री पवन कुमार सही,
- (3) अशोक कुमार सही,
- (4) श्री विनोद कुमार सही
- (5) श्री हरि प्रसाद सही।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेस स० पि० 28, सि० आई० टी० रोड, स्कीम म० VI ए०, थाना, फुलबागान, कलकत्ता में स्थित रेल्वेपश्चिम भाग, परिमाण 3 कट्टा 7 स्को० फिट खाली जमीन, जो के दलिल स० 887, तारीख 3-3-77 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कलकत्ता-IV
54, रफी अहमद किल्वाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 14-11-77

मोहर.

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री वानी शाई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शोबाणी सेन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

आई० ए० सी० अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कन्हाना, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्देश स० ए० मि० 24/अर्जन रेज-IV/कल०/77-78—
 यतः मुझे, पी० पी० सिंह,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
 से अधिक है।

और जिसकी सं० 150 है तथा जो बी० टी० रोड, 24 परगणा
 में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारासाल, 24
 परगणा में, (रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख 2-3-1977
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर बैने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
 नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
 किया जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
 लिये एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकों—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 सामील से 30 दिन की अवधिया, जो भी अवधियाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितद्वारा
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
 गया है।

अनुसूची

150, बी० टी० रोड, 24 परगणा में स्थित 7.5 कट्टा
 जमीन तथा उसपर निर्मित मकान, जो के दलिल स० 535
 दि० 2-3-77 के अनुसार पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण),
 अर्जन रेज-IV, कलकत्ता
 54, रफीअहमद किल्डर्स रोड,
 कलकत्ता-16

तारीख: 14-11-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1 श्रीमती कमला धोस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

2 श्री जगदीश चन्द्र गुप्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आई० ए० भी० अर्जन रेज-IV,

कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्देश स० ए० सी० 25/अर्जन रेज-IV/कल०/77-78
अतः मुझे, पी० पी० सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी स० 89/139 है तथा जो पडित ईश्वर चन्द्र रोड़ मे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-3-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

89/139, पडित ईश्वरचन्द्र रोड, रोपडा, थाना थोरामपुर, दुगली में स्थित 3 कट्टा 2 छटाक 25 स्को० फिट जमीन तथा उस पर निर्मित मकान जो के दलिल स० 1099, दिनांक 18-3-1977 के अनुसार पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-IV कलकत्ता
54, रफी अहमद किल्वाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 14-11-1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री अलकेश ऐमलडस

(अन्तरक)

2. सेवा संघ समिति

(अन्तरिती)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सी० अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्देश स० ए० सी० 23/अर्जन रेज IV /कल०/77-78--

अतः, मुझे, पी० पी० मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० 12 है तथा जो वाटकिस लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरग में दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिराने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यादियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अवधियों पर सूचना की मासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा अधिकारी के पास नियमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 वाटकिस लेन, गोलाबाड़ी, हावड़ा में स्थित 18 कट्टा 15 छटाक 21 स्को० फिट जमीन तथा उसपर निर्मित मकान जो के दिनांक 19-3-77 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० मिह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, IV कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवई रोड
कलकत्ता-16तारीख 14-11-1977
मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्वेश स० अ० ई० 1/1955-23/मार्च-77—अत. मुझे एफ० जे० फर्नांडोज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० मी० एम० न० 3/72 का माल खड़ कदा हिल डिवीजन कार्मिकल रोड में स्थित है (और इसमें उपावदधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-1977 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृढ़ किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में गुवाहा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अम्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अधृत:—

1. श्री कार्मिकल प्रापर्टी प्रा० लि०

(अन्तरक)

2. श्री कार्मिकल शिकरकुज को० आप० हाउ० सो० लि०

(अन्तरिती)

3. 1. श्री श्रीयन्स प्रसाद जैन
2. श्रीमती कमलावती जैन
3. श्री ज्ञान चन्द जैन
4. श्रीमती सत्यवती जैन
5. श्री प्रेम चन्द जैन
6. श्रीमती दुर्गावती जैन
7. श्री शशी चंद जैन
8. श्रीमती नीरा जैन
9. श्री शरद कुमार जैन
10. श्रीमती वदना जैन
11. श्री प्रमोद कुमार जैन
12. श्रीमती उषा पी० जैन

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख न० 30/72/बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-3-77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नांडोज

सक्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख 14 नवम्बर 1977

मोहर:

प्रस्तुप ग्राही० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1977

निर्देश सं० अ० ई० 1/1983-11/मार्च-77—अत्. मुझे, एफ० जे० फनन्डीज

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी स० सी० एस० न० 1576 का फोर्ट डिवीजन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-3-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रीर प्रन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. फ्लोरेयस स्विम कनकेसनरी प्रा० लि०

(अन्तरक)

2. बेकम को० आप० प्रीमिसेस सो० लि०

(अन्तरिती)

3. अनुबंध के अनुसार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में डिटर्मिनेंट विमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित विमी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख स० 1103/76/बम्बई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा 7-3-1977 को रजिस्टर्ड किया गया है।

- श्री एच० मिस्ट्री
- श्री सयविल मिस्ट्री
- श्री एच० एच० जेतपुर
- श्रीमती एन० गोपालदास
- डा० एफ० एन० कोहियार
- डा० एस० एस० निशाट
- श्री कोल० धीरधीसिंह
- श्री अलरेजा के०
- श्रीमती एस० शंकर
- श्री एन० एम० कामत
- श्री पी० के० एस० गजफर
- श्री ए० एफ० दुबाश
- श्री क० क० एफ० दुबाश
- डा० जे० एन० सिध्वा
- श्री ईश्वर कुमार गप्ता
- ट्र० काउसिल डोर फोसी।

एफ० जे० फनन्डीज

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 15 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रृष्ठप्राई० दी० एन० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1977

निर्देश स० अ० ई० 1/1988-16/मार्च-77—यतः, मुझे,
एफ० जे० फर्नांडोज,श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बाबरण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है,और जिसकी स० सी० एस० नं० 1778 का फोर्ट डिवीजन
है तथा जो मरीन ड्राइव में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 7-3-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—(क) अन्तरण से मुहूर्त किसी आय की वापस उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;मरण: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अंकितपों, अर्थात् :—

1. मिसेस सीला ए० देशपांडे

(अन्तरक)

2. श्री डारका प्रसाद जे० अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियों मुहूर करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अंकित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अंकित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुखत शब्दो और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापक भाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख स० 2023/76/बम्बई उपरजिस्ट्रार
अधिकारी द्वारा दिनांक 7/3/77 को रजिस्टर्ड किया गया है।एफ० जे० फर्नांडोज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बईतारीख: 18 नवम्बर 1977
मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1977

निर्देश सं० अ०इ०/2007-35/मार्च—1977—यत मुझे
एफ० जे० फर्नांडीज०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 161 का माला० एंड कवा० हिल
डिवीजन रिड रोड में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय,
बंबई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 31-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् '—'

1. 1. श्री रघुनाथ पी० रावेलाल 2 श्री ब्रिजेन्द्र आर०
प्रसाद, 3. श्री राजेन्द्र आर० प्रसाद 4 श्री सुरेन्द्र आर० प्रसाद
(अन्तरक)

2. सुवर्ण सपना को० आप० हाउ० सो० लि०
(अन्तरिती)

3. सोमायटी के मदस्य, (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किमी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख न० 3164/72/बंड० उप
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 31-3-77 को रजिस्टर्ड किया
गया है ।

एफ० जे० फर्नांडीज०
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 15-11-77

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
 269व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बन्दर्वा
 बन्दर्वा, दिनांक 31 अक्टूबर 77

निवेदन न० अ०ई० 2/2383-1/मार्च-77-यतः मुझे जी० ए० जेम्स, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० अतिम प्लाट न० 17 और 18 टी० पी० ए० स०-4 नया सी० टी० ए० म० न० 208/जी (अण) है तथा जो सताकुज (पश्चिम) में स्थित है (और इसमें उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण स्वप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बन्दर्वा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1977

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया अनिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दृई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायत्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के निम्न पौर्णया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नहिए था, लिखने में सुविधा के लिए;

प्रत अन्तरण अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 (1) जमागज रामजी पटेल (2) प्रेमजी जमागज पटेल मैमर्म महेश्वर वरस्ट्रूक्शन क० के भागीदार (अन्तरक)

2 महेश्वर प्रकाण न० 2 को० आप० आउ० मौ० लि० (अन्तरिती)

3 (1) श्री हरेलाल नानजी पटेल (2) श्री भुपेंद्र बज्रनाल मैदाना (3) श्री धर्मदाग नेमचद्र जृथानी और श्रीमती विजयालक्ष्मी धर्मदाग जृथानी (4) श्रीमती मनिता गौरी हरीलाल (5) श्री गणेश भाई मनमोहनदास थार (6) श्रीमती मधुकरना जयनीलाल शाह (7) श्रीमती कन्तबेन मुभगवद शाह और श्री मुभगवद हरगोविददास शाह (8) श्रीमती काताबेन 3-356G1/77

शिवलालशाह (9) श्री जसवत लाल मनिलाल शाह और श्रीमती माताबेन जमवनलाल शाह (10) श्री रजनिकांट कंचनलाल शाह (11) श्री अरुण इंदुलाल दोलकिया (12) श्रीमती किरण शानिलालशाह (13) श्रीमती पुष्पावेन बालकुण्डा देसाई (14) श्री जयभिलाल चुनीलाल शाह (15) डा० सुमतीलाल मोहन लाल शाह (16) श्री सूर्यकांत प्रभूदाम पटेल (17) श्रीमती शानाकुमारी रतिलाल पोपट और श्री रतिलाल हेमराज पोपट (18) श्री धनसुखलाल चुनिलाल पारिख (19) शाह पोपटलाल मूरजी (20) श्री नागरदाम जेथाभाई शाह (21) श्री बाबलाल चुनिलाल दोशी।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जैसा कि ऊपर 3 मे है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयाद्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री अधिकारी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वहीं प्रथम होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या जमीन का वे तमाम टुकड़े या भाग उस पर खड़े महेश्वर प्रकाश न० 2 के नाम से पहचाने जाने वाले निवास गृहों महित जो बहुत बर्बाद में रजिस्ट्री उप जिला बाधा के बिल्ज दाढ़ा 'काटेडालेन' मानाकुज में मौजद एवं पडा हुआ है माप म० 1548 वर्गमीटर यानी 1851 वर्गगज के बराबर या उसके अमापास है जिसका अन्तिम प्लाट न० 17 और 18 (पट्टे का प्लाट न० 74-सी० और 74-डी०) टी० पी० ए० न० ४ मानाकुज एवं नया सी० टी० प० न० 208/जी० (अण) है और निम्न प्रकार से धिरा हुआ है उत्तर में या और कटिंग लेन (दमवा रामना), दक्षिण में या और उक्त स्कीम का अन्तिम प्लाट न० 79 मैं, पूर्व में या और उसी स्कीम का अन्तिम प्लाट न० 75 धारण कीदूरी जायदाद में पश्चिम में या और महेश्वर प्रकाश म० १ की जायदाद और उससे आगे सेट अण्डूडा रोड में।

जी० ए० जेम्स

मक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
 अर्जन रेज-2, बन्दर्वा

दिनांक: 16 नवम्बर 1977

मोहन

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बंबई

बम्बई, दिसंबर 16 नवम्बर 1977

निर्देश स० अ० ई० 2/2385-3/मार्च-77—अतः मुझे,
जी० ए० जेम्स्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० स अधिक है और जिसकी स० अनिम प्लॉट न० 366 टी० पी० एम० न० 3 सी टी० एस० न० एफ०/469 है तथा जो बादा (प०) में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में शीरपर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के बायालय, बंबई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-3-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्पत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

1. यूनूस हाजी लतीफ आधाड़ी, मेसर्स हसीन बिलहर्स का मालिक
2. गोल्डन राकम को० आप० हाउ० सो० लि० (अन्तरिती)
3. 1. मर्यादिक डोमिनिक गोनमालवेस
2. मर्यादिक डोमिनिक गोनमालवेस, 3. श्रीमती इपिसोमा दास
4. भावनजी मोरारजी
5. क्र० हृषी डी० सूजा
6. रोहिदास भगेरा
7. डी० पी० हरदास मलानी
8. श्री के० जी० जगीयानी
9. श्री डेनियल मस्कान्हैम
10. ड० बी० एम० शट्टी
11. वेवपा पुजारी
12. पेटर डोमिल्वा
13. पोपटलाल मोरारजी शाह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. 1 मर्यादिक डोमिनिक गोनमालवेस 2 मर्यादिक डोमिनिक गोनमालवेस 5. श्रीमती इपिसोमा दास 4. भावनजी

मोरारजी 5 मिम इवी डिसूजा 6. रोहिदास भगेरा 7. डी० पी० हरदास मलानी 8. के० शाह० गोकलानी 9. मोसेज रोडिरिक्स 10. श्री श्रद्धल हफिज शहम 11. नानजी क्रिश्नेनी शाह० 12. पेटर डोमिल्वा 13. पोपटलाल मोरारजी शाह (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबथ में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उग्र अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन अथवा भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर स्थित मकान जो कि "कल्पना" नाम से जाना जाता है, आऊट हाउसेस, मोटर गैरेज, दुकाने तथा अन्य छातों महित रजिस्ट्री उपजिला तथा बबई बबई नगर एवं उपनगर के अधिग्रे तालुके में रेवेन्यूगाव लाडा के 16 वा रोड बान्द्रा पर स्थित, मौजूद एवं पड़ा हुआ है जोकि माप से 650 वर्गमीटर या उसके लगभग (543.48 वर्गमीटर या उसके लगभग) है और लेन्डरेवेन्यू कलेक्टर की पुस्तकों में टाउन प्लानिंग स्कीम न० 3 बान्द्रा का अन्तिम प्लॉट क्र० 366 पंजीकृत है तथा गहर सर्वेक्षण क्र० एफ०/469 धारण किए हुए हैं एवं बहन्नर बबई नगर निगम के अमेसरगाव कलेक्टर द्वारा वाई क्र० एच० 5655 एवं गली क्र० 366, 16 वा रोड, टी० पी० एस०-३ बान्द्रा में निर्धारित किया गया है और इस प्रकार धिरा हुआ है।—

यानी कि जिस उत्तर में या और —न्यू वीनाविहार को० आप० हाऊ० सो० लि० की जायदाद में दक्षिण में या और —मानवेन्द्र को० आप० हाऊ० सो० लि० की जायदाद से

पूर्व में या और बन्दना को० आप० आऊ० सो० लि० की जायदाद में, पश्चिम में या और बान्द्रा के 16 वा रास्ता में।

जी० ए० जेम्स्
मकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन इलाका-2, बबई

दिनांक: 16 नवम्बर 1977
मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बबई

बम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1977

निर्देश स० श० ई० 2/2387-5/मार्ष-77—ग्रन्त: मुझे,
जी० ए० जेम्स

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी स० प्लाट न० 387, सी० टी० एस०
न० 56 ए० है तथा जो बादा (प०) में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बबई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 25-5-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुमति में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती अलमाई बरजोरजी बलसारा (अन्तरक)
2. पाली दर्शन प्रिमायमिस को० आप० सो० लि�० ।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती पुष्पाकुमारी दर्शनकुमार जैन 2. कु० मायजौन
मसकर्नहस 3. श्री जोगिन्दर कुमार रोशनलाल जैन 4 श्रीमती
कमला गोविदराम अहूजा 5 श्रीमती परपती सिवनराम गेहानी
6. श्रीमती कमलारानी धनजीमहि धुमिलाल 7 श्रीमती
लक्ष्मीबाई जीवमल भगचन्दानी 8. श्रीमती बसतीटिकमदास
पजावी और जमनाबाई टिकमदास पजावी 9 श्रीमती सुन्दर
रणजीत कारकर 10 श्रीनारायण दास लाचद ठाकुर 11.
श्री कर्हैयालाल रामसुख मिरा 12. श्री प्रीतम जी० वसानी
13. श्रीमती आशा जे० जैन 14. श्रीमती माबलरोडिकम
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती पुष्पाकुमारी दर्शन कुमार जैन 2 कु० माय जौन
मसकर्नहस 3 श्री जोगिन्दर कुमार रोशनलाल जैन 4. श्रीमती
कमला गोविदराम अहूजा 5 श्रीमती परपती सिवनराम गेहानी
6. श्रीमती कमलारानी धनजीसिंह धुमिलाल 7 बाबा कचनाशाह
8 श्रीमती गगाई चन्दू बालचन्दानी 9 श्रीमती सुन्दर रणजीत
कुरकर 10. श्री नारायणदास लालचंद ठाकुर 11. कन्यहैयालाल
रामसुख मिरा 12. हसा मुल्कराज मेहता 13 अन्योनी सिमन
फर्नांडीस 14. मोनिकाहोपकिन्स, 15. श्री यूनस हाजी लतीफ
अधाडी सचालक मससं हसीन बिल्ड्स ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त मन्डो और पदो का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वडी पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का वह समाम टुकड़ा या भाग उस पर स्थित अस्थाई
मौजूदियों (जावली) सहित जोकि वबई नगर और उप नगर के
उप रजिस्ट्री में पाली दाढ़ा में तथा टाऊन प्लानिंग स्कीम न० 3
में स्थित मौजूद एव पड़ा हुआ है जिसका की प्लाट न० 387
ए/सी० टी० एस० न० 56 ए० है माप से 570 वर्ग गज
यानी की 476.57 वर्ग मीटर है तथा उसर में प्लाट न०
388 पश्चिम में बेंडोर के प्लाट न० 387-ब धक्षिण में 33
वा रास्ता और पूर्व में 16 वा रास्ता से घिरा हुआ है ।

जी० ए० जेम्स,
मस्तम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 16-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पि० सीतारामनजनेशुलु (2) पि० पि० वि० रामप्रभाद (3) श्री पि० वि० मुब्रहमन्यकुमार, विजयवाडा
(अन्तरक)

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प्र

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन अवेद, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० 475— यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी स० 11-30-5 है, जो विजयवाडा] में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र की उपधारा (1) के अधीन, अविक्षितयों, अर्थात् :—

(2) श्री टो० कृष्ण राव, विजय वाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन 15-3-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 347/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख 31-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० न० 476—यत मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० न० 61/2 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान्त 22-3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविषयों, अर्थात्:—

(1) श्री के० कुष्टण्यां गोन्मिठा (अन्तरक)

(2) श्री डि० नरमिहाराव, गुन्टूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिये कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के यथापरिभाषित हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पोक्षिक अंत 31-3-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 1041/77 में निर्गमित अनुसूची सप्तती।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 31-10-77

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एम०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977
सं० न० 477—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 22-5-11 है, जो गुन्दूर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गुन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में गुरुद्या
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अर्थात् :—

(1) कुमारी पि० सवनंसुखी (2) श्री पि० कोटेस्वरराव
भीमवरम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सूखी, गुन्दूर (अन्तरिती)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गुन्दूर रजिस्ट्री अधिकारी से प्राक्षिक अंत 15-3-77 में
पजीकृत दस्तावेज नं० 807/77 में निर्गमित अनुसूची सप्ती।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख . 31-10-77

मोहर :

प्रेरणा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

मं० नं० 478—यत् मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी मं० 26-12-3 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपग्राहा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 (1) श्री आर० दुग्धभिवानी प्रसाद (2) श्री आर० सिकराम कुष्टण प्रसाद (3) शार० गोपालाकुष्टण प्रसाद (4) श्रीमती जे० विजय लक्ष्मी (5) श्रीमती आर० कनकदुर्गा (6) श्री शार० वेकट मत्य प्रसाद विजयवाडा। (अन्तरक)

2 श्री पिं० मत्यश्वारायण विजयवाडा। (अन्तरिती)

3 श्री (1) जे० जिं० फिलमस (2) लीमूर्ती फिलमस (3) श्री टिं० कोइडपाणि गुप्ता, विजयवाडा। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

(4) श्रीमती आर० मत्यवति, विजयवाडा (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति से हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि माद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही पर्व होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 31-3-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 435/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 31 अक्टूबर 1977

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं० नं० 479—यन. मुक्ते, एन० के० नागराजन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 14/13-1-22 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1980 का 16) के अधीन 28-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी भाव की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घम या घम्य आस्तियों को, जिसे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना आविहृत था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पि० श्रीनिवास (2) पि० विजय लक्ष्मी (3) श्रीमती पि० मार्गदा (4) पि० प्रभाम (5) पि० चन्द्रसेखर (6) श्रीमती सुरि विमला, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रेनूरि विजय लक्ष्मी काकिनाडा।

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा पारिभाषित हैं, वही शर्य होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्मत्र

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 1014/77 में निर्गमित अनुसूची।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
ग्राम्य आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

नारीन्द्र 31-10-77

मोहर

परम्पराई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज 1,

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

मं० 480—यत्, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 14/13-1-22 है, जो काकिनाडा में स्थित रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतरक (प्रतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधितः—

4-356GI/77

1. (1) श्री पी० श्रीनिवास
- (2) श्रीमारी पी० विजयलक्ष्मी
- (3) श्रीमती पी० मारदा
- (4) श्री पी० प्रभाम
- (5) श्री पी० चन्द्रमेकर
- (6) श्रीमती मूरी विमला हैदरबाद।

(अन्तरक)

2 श्रीमती श्रीमती विजय लक्ष्मी काविनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वव्य स्विकार्त्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाल्क अंत 31-3-77 में पजोकून दस्तावेज न० 1015/77 में निगमित अनुसूची मपती।

एन० के० नागराजन,
मकान अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, काकिनाडा

तारीख 31-10-1977

मोहरः

प्ररूप ग्राही० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं० न० 481—यतः मुझे एत० के० नागराजन,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269बा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० 14/13-1-22 है, जो काकिनाडा मे० स्थित
है (और इसमें उपायबद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप मे० वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा मे० भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
28-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे० कर्मी करने या उससे बचने मे०
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
मे० सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण मे० मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपायारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति:—

1 (1) श्री पी० श्रीनिवास
(2) श्रीमती विजय लक्ष्मी
(3) श्रीमती मारदा
(4) श्री पी० प्रभास
(5) श्री पी० चन्द्रमेकर
(6) श्रीमती मुरी विमला हैदरगाबाद।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे० कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति
द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे०
हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित मे० किये जा सकेंगे।

इष्टव्यकरण:—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे० परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मे०
दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अतः 31-3-77
मे० पंजीकृत दस्तावेज न० 1013/77 मे० निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
संभाल प्राधिकारी
महायक ग्रायकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 31-10-1977

मोहर:

प्ररूप ग्राई० ई० एन० एस०—

1 (1) श्री पी० श्रीनिवास

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती पी० विजयलक्ष्मी

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

(3) श्रीमती पी० मारदा

भारत सरकार

(4) श्रीमती पी० प्रवास

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

(5) श्री पी० चन्द्रसेकर

ग्रंथन रेज, काकिनाडा

(6) श्रीमती मूरी विमला हैदराबाद।

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

(अन्तरक)

सं० न० 482—ग्रन्त, मुझे, एन० के० नागराजन, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 14/13-1-22 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध शनुसूची में ग्रौं पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में 'भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-3-77

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

2 श्री अत्नुरी अच्युतरामया, काकिनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौर्विक अत 31-3-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 1012/77 में निर्गमित अनुसूची।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 31-10-1977

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० 483—यत मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सप्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिनकी स० 14/13-1-22 है, जो काकिनाडा में स्थित
है (आंतर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्टि में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28-3-77 को

यह विश्वास उक्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सप्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(ग्रन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए नव पाया गया
प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) ग्रन्तरण में हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अन: यदि उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के अनुसरण में से, उक्त अधिनियम की भाग 269व की उपधारा

- 1 (1) श्री पी० श्रीनिवास
- (2) श्रीमती पी० विजयलक्ष्मी
- (3) श्रीमती पी० मारदा
- (4) श्रीमती पी० प्रभास
- (5) श्री चन्द्रसेकर
- (6) श्रीमती सूरी विमला, हैदराबाद।

(अन्तरक)

- 2 श्री अलूरी मुरली कृष्णाणमूर्ती, काकिनाडा।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सप्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबै में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी धर्या-तथों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यवित्रित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन ते भीतर उक्त स्थावर सप्ति गे हित-बढ़ किसी अन्य व्यवित्रित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अत 31-3-77 में गजीकू दस्तावेज न० 1011/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पन्न।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 31-10-77

मोहर.

प्रलेप प्राई० टी०एन एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९ घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक ३१ अक्टूबर १९७७

म० ४८४—यत मुझे, प्रति० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर समिति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रु० में अधिक हैऔर जिसकी म० १४/१३-१-२२ है, जो काकिनाडा में स्थित
है (और इसमें उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन,
तारीख २८-३-७७ कोपूर्वोक्त समिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त समिति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) तेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

1. (१) श्री पी० श्रीनिवास
- (२) श्रीमती पी० विजयतक्ष्मी
- (३) श्रीमती पी० सारदा
- (४) श्रीमती पी० प्रभाय
- (५) श्री पी० चन्द्रसेकर
- (६) श्रीमती सुरो विमला हेदरावाद।

(अन्तरक)

2. श्री यन्नी मुरली कुण्डमुनि, काकिनाडा।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन वी अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०क में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अत ३१-३-७७ पर्जीकृत दस्तावेज न० १०१०/७७ में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

प्रति० के० नागराजन,
मक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: ३१-१०-७७

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९ग के अन्तरण में, मैं, यका अधिनियम की धारा २६९घ की उपधारा
(१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० न० 485—यत मुझे एन० के नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म० न० 2-10-77 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इसमें पाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—

1 (1) मेमर्स बूर्ग विश्वनाथम ब्रदर्स, गुन्टूर

(2) मेमर्स भागस्वामी श्री बी० सूर्य प्रकाश राव, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2 श्री एम० वेकटरमण कुमार गुन्टूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 1983/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० क० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख 31-10-77

मोहर :

प्रस्तुति श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं० न० 486-यत मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी म० 13-1-57 है तथा जो काकिनाडा
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;1. (1) श्री वी० मन्नासिंगाव, (2) वि० सुब्बाराव,
(3) वी० वेकटराव, (4) वी० मिवरामकुण्डण, (5)
वी० विद्यामागर, (6) वी० पवन, (7) वी० विगनम
(8) जी० वीरराजु काकिनाडा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री० के० मुरेज कुमार, (2) के० गामगोपाल,
काकिनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या न्यूनतम व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य ध्ययित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री प्राधिकारी से पौक्षिक अत 30-3-77 में
पंजीकृत दस्तावेज न० 1019/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।एन० के० नागराजन,
मक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा।

तारीख : 31-10-77

मोहर :

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एम०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजौ

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर, 1977

म० न० 487-यत. मुझे, एन० क० नागराजन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी स० 13-1-57 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुविधा के लिए;

अनु: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बी० सन्धामि राव, (2) बी० सुब्राह्मण्य, (3) बी० वेंकटराव, (4) बी० मिवरगम कुष्ठण, (5) बी० विद्यामार्ग, (6) बी० पवन, (7) बी० विगनम (8) जी० शोरराजु काकिनाडा।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री के० मुरेण कुमार, (2) के० गमगोपाल, काकिनाडा।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त मम्पति के अर्जन के मम्पत्य में कोई भी श्रायेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 30-5-77 में पजीकृत दस्तावेज न० 2031/77 में निर्गमित अनुसूची मार्गी।

एम० क० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा,

दिनांक: 31-10-77

मोहर.

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर, 1977

मा० ना० 488—यत मुझे ए० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा
269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण क्यै कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी मा० 94, 99, 101, 106 और 109 है, जो कोमन-
पल्ली मे० स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप
से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तुनि मे० भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
7-3-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269वां के अनुसरण
मे० मे० उक्त अधिनियम की धारा 269वां की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवधियों, प्रधान:—
5-356GI/77

1 (1) थी वै० स्तरामचन्द्रमूर्ती, (2) श्रीमती वै० प्रका-
मस्मा, (3) सुश्रीत्यन्य शर्मा, (4) वै० वेंकट सुश्रीत्यन्य
मन्यमई भगवत राव, (5) वै० वेंकट सुश्रीत्यन्य
सत्यनारायण शर्मा, (6) बी० मत्यनारायण
मृति, (7) श्रीमती बी० मुब्बलक्ष्मी, तुनि।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती वैटला शेषा रत्नम, रविकमपाडु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजेन के लिए
कार्यालय करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अजेन के सम्बन्ध मे० कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
द्वारा मे० समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे० हिस्तवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे० यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

तुनि रजिस्ट्री अधिकारी से पॉक्षिक अत 15-3-77 मे० पजाकृत
दस्तावेज ना० 439/77 मे० निगमित अनुसूची संपत्ति।

एस० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

दिनांक: 31-10-77
मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं० न० 489-यत. मुझे एन० के० नागराजन, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 163 है, जो परदेसियालेय में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्वासपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-4-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्षमतावाले के लिए स्वीकृत नहीं किया गया है और अन्तरिक्ष से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्वीकृत नहीं किया गया है और अन्तररक के लिए स्वीकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हृदृष्टि किसी आपकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्चातः:—

(1) श्री डी० अपलस्वामी, 2 पी० कनकदेवी परदेसिपालेय।

(अन्तरक)

(2) श्री बट्टेपटि विट्टिबाबुहि, 2 श्रीमतीं सुसीला देवी, विश्वासपटनम।

(अन्तरिक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विश्वासपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अत 30-4-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 912/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम अधिकारी

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

दिनांक 31-10-77
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री एन० चेयुनागपूर्णे गोपालारतनम् पूला ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

मं० न० 490—यत्. मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक हैऔर जिसकी स० 89 है, जो अबरूपेत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, भीमडोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे
मन्त्ररण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
मन्त्ररण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—(2) श्री पी० नरमिह राजू, विशाखापट्टनम् ।
(अन्तरिक्षी)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़े किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भीमडोल, रजिस्ट्री अधिकारी में पांचिक अंत 15-5-77 में
पंजीकृत दस्तावेज न० 821/77 में निर्गमित अनुसूची में संपत्ति ।एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)दिनांक : 31-10-77
मोहर :

प्रकृत्या प्राप्ति 269 टी० एन० एस०—

(1) श्री एन० चेयुनागपूर्ण गोपाल रत्नम, पूल्ला।

(अन्तरक्र)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० न० 491—यत्. मुझे, एन० के० नागराजन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी स० 89 है, जो अपरपेटा मे स्थित है (और इसमे
उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, भीमडोलु मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरक्रों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मे कमी करने
या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या जाना
चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए ।

भीमडोलु रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अत 15-5-77 मे
पजीकृत दस्तावेज न० 822/77 मे निगमित अनुसूची सपत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण मे,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अनुसूची, पर्याप्त ।

दिनांक 31-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती जी० इनडिग राणी, जगन्नाधपुरम ।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० न० 492-यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी स० 190 से 193 है, जो जगन्नाधपुरम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताडेपल्लीगुडेम में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-3-77 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अस्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—(2) श्री चिठ्ठी इन्द्रा, जगन्नाधपुरम ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथापरिभायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ताडेपल्लीगुडेम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-3-
77 में पजीकृत दस्तावेज न० 606/77 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति ।एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

दिनांक : 31-10-77

मोहूर :

प्रसूत प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1977

स० आर० ए० सी० न० 134/77-78-पतः मुझे के० ए० स०
वेक्टर रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वां के अधीन सधाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० प्लाट न० 1 है जो बंशीन्वाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर आयुक्त, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवार्ता:—

(1) श्री सैयद जाफर अली पिता स्वर्गीय सैयद रहमत अली बंशीर बाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सैयद अलताफ हुसेन पिता सैयद अफसर हुसेन, 2. सैयद अहमद हुसेन घर नं० 5-1-437 जामबाग हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रपुत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन न० 1 क्षेत्रफल 400 वर्ग गज बंशीर बाग हैदराबाद (गगनमहल) के पास धस्तावेज न० 570/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में है।

के० ए० स० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 11-11-1977

मोहर:

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के अधीन मूल्य

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1977

मं० आर० ए० सी० न० 135/77-78—यतः मुझे, के० ए० मं०
वेकट रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है औरजिसकी सं० 4-2-2 और 3 है, जो राष्ट्रपति रोड, मिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-3-77को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से बुझि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किन्तु आना चाहिए था, छिपाने में मुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविनियोग, अर्थात्—(1) श्री डी० नारायण सिंह धर न० 6608, राष्ट्रपति
रोड सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द्र हसुमल पिता हसुमल धर न० 7-2-
915 हिमामगज, मिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

(3) मसर्स बाटा इडिया लिमिटेड, धर न० 4-2-3
राष्ट्रपति रोड, सिकन्दराबाद।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर न० 3102 और 3102/ए० का भाग है (नथा न० 4-2-
3 और 4-2-2) राष्ट्रपति रोड, सिकन्दराबाद में है रजिस्ट्री की
गई है। वस्त्रावेज न० 467/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दरा-
बाद में।के० ए० वेकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 11-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०--

(1) 1 श्री भोला मुरली गोपाल कृष्ण राव, 2. मुसला मानीकर्ममा, वैरा पोस्ट-मदीरा तालूक खम्माम जिला।
(प्रन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश सं० 136/77-78-यत. मुक्ते के० एस० बैक्ट रामन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी स० 10-92, है जो सीरा का सोमावरम मदीरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मदीरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रमत्तिरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किंगते में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नसिद्धि व्यक्तियों, अर्थात्:--

(2) श्री बोला मुरली गोपाल कृष्ण राव, 2. मुसला मानीकर्ममा, वैरा पोस्ट-मदीरा तालूक खम्माम जिला।
(अन्तरक)(2) श्री बोला मुरली गोपाल कृष्ण राव सोमावरम तालूक वैरा मदीरा खम्माम जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचयित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 10-12 वैरा सोमावरम का ग्राम पनचायत मदीरा तालूक खम्माम जिला रजिस्ट्री की गई वस्तावेज न० 177/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय मदीरा में।

के० एस० बैक्ट रामन
सक्त प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 14-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना(1) श्री मुजताब अली बेग पिता हमायू ग्रली बेग
घर न० 5-9-88 फतेह मैदान रोड, हैदराबाद।
(अन्तरक)भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश स० आरा० ए० भी० 137/77-78-यन. मुक्त के०
एस० वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 5-9-88/वी है, जो फतेह मैदान रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भाग्तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उचित अन्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निक्षी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भी किया गया था या किया जाना चाहिए था, उसने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवितयों, अर्थात्—

6-356GI/77

(2) श्री अली इमाम (माइनर) पिता मीर मुमताज अली घर न० 6-3-662/6 पतजा गुद्दा, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही प्रथ्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 5-9-88/वी का भाग फतेह मैदान रास्ता, हैदराबाद में दस्तावेज न० 649/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एम० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14-11-1977

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस० —————

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

निर्वेश सं० 138/77-78—यतः, मुझे के० एस० बेकट राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/प्रार-6 है, जो तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और सूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राज कुमार घर नं० 3-2-350 चैप्पल बाजार हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सकर बाई पति स्वर्गीय इसामहमद, 2. श्रीमती जुबेदा पत्नी अकबर अली घर नं० 5-4-668 केदलमनई नई, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भेजिये व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-938/प्रार-6 का समनका नखेलेसता का भाग तीलक रोड हैदराबाद, रजिस्ट्री की गई है, दस्तावेज नं० 683/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बेकट रामन
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14-11-1977
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्देशसं 139/77-78—यत्, मुझे, के० एस० बेकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है और जिसकी सं ० सर्वे नं 94 है, जो वेनगलमूरम गढ़ में अदोनी में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अदोनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन 2-3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) नेसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

1. (1) रामचेटी सुब्बया, रेलवे स्टेशन के पास, अदोनी,
(2) कालेपाली नारायणा सेटी, कनचाजम बाजार
अदोनी, (3) थामुलाम मालेशपा सेटी अडवानीज
लक्ष्मीनारायणा ने गुड्डी वेडी, अदोनी, (4) दीनी-
मीटी महाविश्वालय सानथापेटा अदोनी

(अन्तरक)

2. श्री रायचेटी विश्वा नाथम नगर कोशिपरेटिव घर
कनस्ट्रक्शन कम्पनी, न० वाई० वाई०-72 अदोनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी व्याप्ति।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टदीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जीसका वीस्टन 2 41 एकर्स है सर्वे नं० 94 वेनगलमूरम के पास अदोनी में है। रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 306/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय अदोनी में।

के० एस० बेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 14-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी०-१४०/७७-७८—यत्, मुझे के० एस० वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० शाप न० 15-1-6 है, जो इस उभमान गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-३-७७ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्रीमती लीला आई पति शन करलाल अग्रवाल, घर नं० 15-1-5 उसमानगंज, हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री तीक्का श्रीमननारायण, पति सखारायुडु केयर आफतीका श्रीमननारायण, एड कम्पनी, घर नं० 15-1-6 उसमानगंज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मबद्द में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस मे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मलशी न० 15-1-6 बैजामशाई रास्ता उसमानगंज हैदराबाद मे है। दस्तवेज न०-६४४/७७ उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद मे।

के० एस० वेकट रामन
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 14-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एम०—
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, विनाक 14 नवम्बर 1977

म० आर० ए० सी० 141/77-78—यत. मुझे क० एस०
बैकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी म०
आफीम नं० 326 चन्द्रलोक की तीसरी मजिल पर मिकन्दराबाद
मे स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद मे भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियो)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने
या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स स्वास्तीक कनस्ट्रक्शन क० III-सरोजनी बैव
रोड, सिकन्दराबाद-3

(अन्तरक)

(2) श्री क० बैकट रेड्डी, क० मुदीरि रेड्डी
3-4-448/2/1 नारायण गुडा हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

(3) मिनरल्स डाइरेक्टर लिवलपमेट विंग, अटौमिक
एनर्जी III एम०डी० रोड, सिकन्दराबाद

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
से सम्बन्धित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे भे
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
मे दिया गया है ।

अमृसूची

आफिम न० 326 तीसरामनजीला चन्द्रलोक कामपलैक्स
मेरा ई रास्ता मिकन्दराबाद मे दस्तावेज न०-347/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद मे ।

क० एस० बैकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 14-11-1977

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1977

सं० न० आर० ए० सी०—142/77-78—यतः, मुझे, के०
एस० वेकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हपए से अधिक है और जिसकी
सं० आफिस न० 215 दूसरी सता है, जो चन्द्रलोक काम्पलैक्स
में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दूसर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूसर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूसर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अस्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयनकार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकार
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री स्वस्तक कनेस्ट्रक्शन कम्पनी मैंस ई सत्ता सिकन्दरा-
बाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर एम आतीत्यरेड्डी पीता एम० सुन्दररामी
रेड्डी, घर न० 6-3-1186 बेगमपेट हैदराबाद।

(अन्तरिती)

(3) मै० श्रीराम कमीकलस चन्द्रलोक सिकन्दराबाद।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सप्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकें।

उपर्योक्त गः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभासित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफीस न० 215, दूसरी सता चन्द्रलोक काम्पलैक्स में III एस
डी रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री कार्यालय दस्तावेज न० 382/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद।

के० एस० वेकटरामन
संक्षेप अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 14-11-1977

मोहर।

प्रकृष्ट प्राईंट ई० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1977

म० 143/77-78—यत., मुझे, के० एस० वेकट रामन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० आफिस न० 328 III मजिला चन्द्रलोक मिकन्ड्राबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्ड्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण के अन्तरिती द्वारा 269-प की उपधारा (1) में, प्रधीन निम्नलिखित, अन्तियों, अर्थात् —

(1) श्री स्वास्तिक कन्सट्रक्शन कम्पनी एस० डी० रोड, सिकन्ड्राबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री के० लक्ष्मी सरमिम्मा रेड्डी, श्रीमती जे० कौमल्या देवी, 3-4-448/2/1 हैदराबाद।

(3) डायरेक्टर मिनलर्स, मिनलर्स डिवेलपमेन्ट विग, वीनम अटामीक अनर्जी, सिकन्ड्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

आफिस न० 328 तीम० मजिला चन्द्रलोक धर पर एस० डी० रास्ता, सिकन्ड्राबाद, रजिस्ट्री अस्तावेज न० 384/17 उप रजिस्ट्रार कार्यालय, सिकन्ड्राबाद, मै।

के० एस० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 14-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस० —————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1977

म० 144/77-78—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी स० 236 आफिस न० II मंजीला चन्द्रलोक में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्षने में सुविधा के निम्न और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियों, अधीति :—

(1) स्वास्तीक कन्सट्रक्शन कम्पनी, एस० डी० रास्ता, सिकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० हेमलता देवी धर न० 252/1, मारेदपाल्ली सिकन्द्राबाद।

(3) इस्टेट आफिसर, बी० एस० ई० एल० रामचन्द्रापुरम, सिकन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

कार्यालय न० 236 दूसरा मनजीला चन्द्रलोक एस० डी० रास्ता, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 385/77 उपरजिस्ट्रार कार्यालय, सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 14-1-1977

मोहर.

प्र० ५० ग्राही० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

स० न० 145/ 77-78 —यत. मुझे क० एस० वेंकट-
रामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है।श्रीर जिसकी स० 216 दूसरी मजिल जो चन्द्रसोक
में स्थित है (श्रीर इसमें उपबहु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 31-3-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों)
और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमित्यों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए।ग्रत. श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत:—

7-356GT/77

(1) स्वास्तिक कल्पना कम्पनी एस० डी० रास्ता
सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)

(2) कुमारी श्री लक्ष्मी देवी रेडी पिला एम० सुन्दररामी
रेडी, बेगमपेट, हैदराबाद।
(अन्तरिक्षी)

(3) श्रीराम केमीकल्स, 111 एम० डी० रास्ता, सिक-
न्दराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहिंदा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आनंदेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकृत
नियम, के अध्याय 20क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्राफिल प्रेमिसेस न० 216 दूसरा मजिल चन्द्रसोक को०म्प०
सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 397/77 उप रजिस्ट्री
कार्यालय सिकन्दराबाद में।

क० एम० वेंकटरामन
सभम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 14-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 14 नवम्बर, 1977

सं० 146/ 77-78 —यतः, मुझे के० एम० वेक्टर-
रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जि.को सं० 324 तीसरा मंजिला है, जो चन्द्र-
लोक में स्थित है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण
रूप से अण्डन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 31-3-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निष्प्रित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—(1) स्वातीक कल्पकशन कम्पनी, एम० श्री० रास्ता
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) कुमारी एन० वीजयलक्ष्मी पिना डाक्टर एन० बाला-
कृष्ण रेडी, घर नं० 3-6-198 हीमायत नगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

(3) डारेक्टर मिनरल्स, मिनरल्स डेवेलपमेंट विंग ओटोमिक
एनर्जी, III, एम० श्री० रोड, सिकन्दराबाद।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

आफिल प्रमिसेस नं० 324 तीसरा मंजिला चन्द्रलोक कम्प०
पर III एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद में है रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद और दस्तावेज नं० 409/77 में हुआ है।के. एस० वेक्टररामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 14-11-1977

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

स० 147/ 77-78 —यतः, मुझे, के० एस० वेंकट-
रमनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी स० आफिस न० 233 है, जो दूसरी मजील चन्द्रलोक
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 31-3-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पवध
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में
सुविधा के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) स्वास्तिक कस्ट्रॉक्शन कम्पनी, एस० डी० रास्ता
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) डा० आर० अशोक रेड्डी निवासी मादपल्ली गांव,
महाराष्ट्र तालुक—वरनगल—जिला।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्रेमिसेस न० 233 बूसरा मजील चन्द्रलोक पर
111, एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद दस्तावेज न० 410/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद।के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेज, हैदराबादतारीख : 14-11-1977
मोहर :

प्रत्येक ग्राही टी० एन० एस० -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

स० 148 / 77- 78 --पतः, मुझे, के० एस० बेकट-
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी म० शाप न० 2 चन्द्रलोक है, जो सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्डित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-3-1977
को पूर्णक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्णक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) प्रन्तरण में ही किसी प्राय की वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः--

(1) स्वास्थ्यक कस्टड्यून कम्पनी, एम० डी० रास्ता
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेलन सनाउल्ला, ब्लेट न० 2 'ए०' सेक्टर
बेरकाना बी० एच० ई० एल० भुपाल एम० पी०

(अन्तरिती)

(3) धनलक्ष्मी एनटर प्राइसेम एम० जी० रास्ता
सिकन्दराबाद।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोंप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रधान बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप न० 2 जमीन का सतह, चन्द्रलोक 111 एस०
टी० रास्ता सिकन्दराबाद दम्नावेज न० 411/77 उप-रजिस्ट्री
कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० बेकटरामन
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 14-11-1977

मोहर

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

गो 149/77-78—यत्, मुझे, के० एस० वेकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से अधिक है।

और जिसकी स० मूलगी न० 42 घर न० 5-8-512/ए० चीरागली लैन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से लियत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में बुर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत्, यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षिती अर्थात्:—

(1) श्री बच्चु वेनकटया पिता गारण्या घर न० 15-1-591 सीधीप्रभ बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अविनाश गुप्ता, पुत्र भारत चन्द्र गुप्ता मार्केट मुसदीलाल ए०४ सन्स जेवेलर्स, बशीर बाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

(3) एमराल टेलर, मूलगी न० 42 हैदराबाद।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्य में कोई भी माझेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सार्वान्व से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूलगी न० 42 घर न० 5-8-512/ ए० चीरागली लैन हैदराबाद में रजिस्ट्री इस्टाबेज न० 544/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० एस० वेकटरामन
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 14-11-1977।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीमंजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

स० नं० 150/77-78 —यत., मुझे के० एस० वेकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी स० 16/112 है, जो द्रव्यक रास्ता में नेलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उक्त अन्तरिक्ष की गई है और मुझे पहले विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, पीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविनयों, अर्थात् :—

(1) श्रीमंजन सीताभानुमतमा पती सूर्यनरायणराय

घर नं० 7/149 गोडुगुपेता मसुलापटनम

(अन्तरक)

(2) (1) जीनी सुब्बाराय (2) जीनी सुब्बाराय कृष्ण-मूर्ति नामांकित होने की वजा पिता जीनी सुब्बाराय है अन्ध्रा प्रायरा डिस्ट्रीक्ट ट्रीक रास्ता नेलूर।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तममध्ये व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्थावरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 16/112 द्रव्यक रास्ता नेलूर रजिस्ट्री की गई नेलूर में वस्तावेज नं० 652/77 नेलूर उप रजिस्ट्री कार्यालय।

के० एस० वेकटरामन
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीमंजन रेज, हैदराबाद

तारीख 14-11-1977।

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

अपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

मं० नं० 151/77-78 —पत्रः, मुझे के० एस० बैंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० 11-4-650/5 है, जो लकड़ीकापुल में स्थित है (प्रीर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय केरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के मनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती काजाबेगम पती स्वर्गीय शेख कुसेन अहमद सैदमहमद इलियाम मैट्नूर गास्ता नं० 1 बुनोजारा गास्ता हैदराबाद (अन्तरक)

(2) इपतेकारहमद नुरी पिता नुकेदीनासाईय 23-2-141/ मीरालपुरा हैदराबाद (ग्रन्तिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 11-4-650/5 का भाग है लकड़ीकापुल ए० सी० हैदराबाद वस्तावेज नं० 762/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय केरताबाद हैदराबाद में।

के० एस० बैंकटरामन
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज • हैदराबाद

तारीख : 14-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1977

स० आर० ए० सी० 152/77-78 —यत, मुझे के० ए०

वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० आफिस न० 134 चन्द्रलोक सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी रुरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-के प्रमु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपशारा

(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत:—

(1) स्वास्तिक कल्टकशन कम्पनी 111 ए० डी० रास्ता सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) मास्टर मुधीरकुमार पिता उसका रखवाला है तिलकराज अगरवाला मुस्लिम स्टील ट्रेडर्स-8576-डिस्ट्रीलरी रास्ता सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती है, के अंतर्गत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय न० 134 चन्द्रलोक मकान के पहली मता में है 111 सरोजनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज न० 386/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० ए० वेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-1977।

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग,

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/एक्य० १/एस० आर०-III/
१२८७/मार्च-१ (21) ७६-७७ ३९४८—अतः, मुझे, जे०
एस० गिलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० बी० 260 ए० है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-
11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय,
नई दिल्ली में भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1977
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिक (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यो, अर्यान्:—(1) लैफिटनेट कर्नल निलोक नाथ लूथर सुपुत्र मेजर
रामनाथ लूथर, निवासी, बी०- 260 ए०, ग्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती करतार कोर ओवराय, पत्नी स्वर्गीय श्री
सरदार बिहन्त सिंह ओवराय, निवासी ९०/५९,
मालवीय नगर, नई दिल्ली।(2) श्रीमती हरजीत कौर, सुपुत्री श्रीमती करतार
कौर, पत्नी श्री एम० एम० अरोड़ा, निवासी सी०-
८/१३९, नवीन निकेतन (मफदरजग), नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० २६० ए०, डलाक नं० बी० जिसका थोकफल
३०७.५० वर्गज है, निवासी कालीनी ग्रेटर कैलाश-1, दिल्ली
की यूनियन ट्रीटरी, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।—

पूर्व . मकान नं० बी० -२६२

पश्चिम : प्लाट नं० बी०-२६०

उत्तर . रोड

दक्षिण . मर्विस लेन।

जे० एस० गिल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/ एस० आर०-III/
1296/मार्च-11/(13)/76-77/3948 :—अतः, मुझे,
जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-1/214 है, तथा जो लाजपत नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 19-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

1. श्री प्रेम नाथ महाय, सुपुत्र श्री रघुनन्दन सहाय
निवासी डी०-1/215, लाजपत नगर, नई दिल्ली
इनके जनरल अटारनी श्री के० के० शर्मा द्वारा)
(अन्तरक)
2. श्री के० के० शर्मा, सुपुत्र श्री रेला राम, निवासी
डी०-1/214, लाजपत नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० डी०-1/214 जिमका क्षेत्रफल 100 वर्ग
गज है, लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

जे० एस० गिल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 14-11-1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एस० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० 1/ एस० आर०-III/
76-77/करवरी-1 (21)/3948—यत्, मुझे, जे० एस०
गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० कूपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बीघा 18 विस्ता है, तथा जो तिगरी गांव, महरांगी तहसील, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिसके आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शकर सैन गुप्ता, सुपुत्र श्री ज्योती सैन गुप्ता, निवासी ई-4, हाउस खास, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मतीश कुमार मलहोत्रा तथा विपिन कुमार मलहोत्रा, सुपुत्र श्री राम प्रकाश मलहोत्रा, निवासी एस-493, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्थलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में यथा परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फी होल्ड कूपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बीघा तथा 18 विस्ता है, खमरा नं० 243 (4-16), 244-(4-4), 244/2 (0-12), 245 (0-3), 245/1/2 (0-3), खत्तीनी नं० (2 तथा) 4 है, तिगरी गांव, तहसील महरांगी, नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-11-1977

मोदर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ एक्य० /III/ 262/ 77-78/
3953—अतः, मुझे, ए० एल० सूदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० ई०-2 / 21 है, तथा जो झण्डेवाला, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुमूल्य से और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 5-3-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
मही किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री बनारसी लाल, सुपुत्र श्री जोवन्दा मल, द्वारा
नेशनल कोपी मैन्यूफैचरर्स, 4/970 छोटा छिवीबाजार,
चावड़ी बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्त बीर मिह (एच० य० एफ०) करता एस०
संत बीर मिह के द्वारा, (2) एस० शिव बीर सिंह
(एच० य० एफ०) एम० शिव बीर सिंह के द्वारा,
(3) एम० अमर बीर मिह (एच० य० एफ०),
करता एस० अमर बीर मिह के द्वारा, (4) श्रीमती तेज
प्रताप कौर, पत्नी एस० शिव बीर मिह, (5) श्रीमती
जगीन्द्र कौर, पत्नी श्री एम० अमर बीर सिंह,
सभी निवासी एस-6, प्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शुरून के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लोज होल्ड प्लाट जो कि निवासी तथा दुकान सहित दोनों
हैं, जिसका न० 21, इलाक न० 2 है, क्षेत्रफल 265 8 वर्गगज
है, झण्डेवाला स्कीम न० 'ई', नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व : इलाक न० 20

पश्चिम इलाक न० 22

उत्तर : रोड़

दक्षिण : 30' चौड़ी सड़क।

ए० एल० सूद,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-11-1977

मोहर .

प्ररूप आई० टो० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 7 नवम्बर 1977

निर्देश स० सी० ए० ५ / धूलीया/ मार्च/ ३४७ — गत, पुने,
श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उगम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० गत क्र० 603 है, तथा जो माने जाने वाले में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में आ० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धूलीया में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तग पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भद्र रामचन्द्र बाणी, मौने बोरीम, तहसील और जिला धूलिया।

(अन्तरक)

(2) श्री न्हानुसिंग वगरसिंग गिरासे मौने निकु मे तहसील और जि० धूलिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

द्वेती का जमीन गत क्र० 603, मौने बोरीम, तहसील अंगूर जिला धूलिया भेत्रफल 15 एकर्स और 36 गुणा

(जसे कि रजिस्ट्रीकून विलेख क्र० 366 दिं 1-3-77 को सब-रजिस्ट्रार धूलिया के दप्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना-411004

तारीख : 7-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज, पूना 411004
पूना 411004 दिनांक 9 नवम्बर 1977

निर्देश स० सी० ए० ५/ करवीर/ जुलै० ७७/३४८—
यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० सी० टी० एस० क० 1455 है तथा
जो करवीर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलै०, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रभाकर महादेव भेडे सी० एस० क० 220,
वाडे मी०, भेडे गांवी कोल्हापुर
(अन्तरक)

(2) 1. श्री महादेव गजानन पावसकर
2. श्री विठ्ठल गजानन पावसकर
3. श्री निवाम गजानन पावसकर
4. श्री गजेन्द्र गजानन पावसकर
5. श्री उत्तम गजानन पावसकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन:— सी० टी० एस० क० 1455 (हिस्सा क० 3)
करवीर, क्षेत्रफल 1 हे०-63 आर०

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1302 जुलै०, 1977
को मम-रजिस्ट्रार करवीर के दफ्तर में लिखा है) ।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेज, पूना 411004

तारीख : 9-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

निदेश सं० य० पी० एच० / सी०/ 83/ 76-77—यत्,
मुझे नथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ल्लाट थोकफल 1308 वर्गगज है तथा जो इण्डस्ट्रीयल प्रिया, ई० लुधियाना में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शब्द: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्ज कौमन वैलथ सपिनिंग वा निटिंग मिल्ज प्राइवेट लिमिटेड इण्डस्ट्रीयल एरिया, ई० लुधियाना। (अन्तरक)

(2) मैसर्ज रथवीर सिंह फैलर मिल्म प्राइवेट लिमिटेड इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ई' लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

ल्लाट थोकफल 1308 वर्गगज जो कि इण्डस्ट्रीयल प्रिया 'ई०' लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विलेख नं० 2633 मार्च, 1977 में दर्ज है।)

नथू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 9 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-य(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निदेश मं० खासा/ 1/ 76-77—यतः मुझे नथ् राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाष्ठर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी भ० जायदाद जो कि रजिस्ट्री के विलेख न० 1616 मार्च, 1977 में दर्ज है में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खासा में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राज कुमार पुत्र श्री राम चन्द, निवासी खासा (अन्तरक)

(2) श्री बन्त राम पुत्र श्री पूर्ण चन्द निवासी मुहल्ला गौरा खासा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ठर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जो कि रजिस्ट्री के विलेख न० 1616 मार्च, 1977 में दर्ज है।

(जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खासा के कार्यालय में लिखा है)

नथ् राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, नुधियाना

तारीख : 9 नवम्बर 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निवेदण सं० खरड/ 1/ 77-78 --अर्थ, मुझे नथू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए ने अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट समेत मकान न० 240 है तथा जो फेज नं०
I जो कि मुहाली तहलील खरड मेरे स्थित है (और इसमे उपाध्यक्ष
अनुसूची मेरे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, खरड मेरे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मेरे
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमे वचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अन. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

9-356GI/77

(1) श्री मंगल मिह भट्टी पुत्र श्री हरभजन मिह गांव और
डाक धगांट तहसील व जिला लुधियाना, मुख्तियार के
ग्राम श्रीमती कुलबत कौर पत्नी श्री तरलोक सिह
मकान न० 58 मैक्टर 21-ग० चन्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र कौर सेठी पत्नी श्री भतपाल मिह,
मार्फत श्री एस० एस० आर्नन्द 524-बी०/35-ग०
चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी माझेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं
प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट समेत मकान न० 240 फेज 1 जो कि मुहाली तहसील
खरड में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 4539 मार्च 1977
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के कार्यालय में लिखा है।

नथू राम,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ।
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 9 नवम्बर 1977

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 नवम्बर 1977।

निदेश म० आर०पी०एन०/4176-77—अन्तर्मुक्त नियम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म० भूमि 177 कनाल 12 मरले हैं, तथा जो (कुल भूमि 372 कनाल 1 मरला में है) जो गाव मुक्ती वाल (स्पनगर) में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रूप नगर में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1977।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में दूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम वे अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्राम/था

(ख) ऐसी किभी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए।

प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) 1 श्री दयाराम पुत्र श्री धर्म दास
2 मी० डी० मन्दू
3. इन्द्रह
4. महिला गम
5. मोती
6. रनन
7 श्रीमती काला
8 कमला
9 श्रीमती मरीन
10 बेबी माम प्यारी
11 गुलू
12 श्रीमती पारबी बाई
निवासी 76 अमर कालोनी लाजपत नगर, नई दिल्ली-24
(अन्तरक)

(2) 1 मध्य श्री प्रेम प्रताप सिंह
2. श्री गुरप्रताप सिंह पुत्रान ईशार मिह मुझेल
निवासी चौक बाबा अटल भार्हिव अमृतसर

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उरा अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 177 कनाल 12 मरले (कुल भूमि 372 कनाल 1 मरला में में) जो कि गाव गुरुङबाल तहसील रूपनगर में स्थित है। जिसका विवरण न० 241/240 खसरा न० 54 है।

(जायदाद जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 2767 मार्च, 77 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रूपनगर के कार्यालय में लिखा है।)

निर्धा० राम
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रंथन रेज, लुधियाना
तारीख : 9 नवम्बर 1977
मोहर

प्रह्लाद आई० टी० एम० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निवेश स० एल० डी० एच०/सी०/76/76-77 :—प्रति..
मुझे नत्यू रामआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैआ० र जिम्की स० म० न० वी XIX/537-538-253 व० गज
है तथा जो तरफ गहलेवाल लुधियाना में स्थित है (आ० इसमें
उपावद अनुसूची में आ० एर्पन रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, प्रथातः—(1) श्री चरण मिह पुत्र श्री अर्जन सिह कालेज रोड,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सूनि पुत्र श्री नियामत राये मोहन्ला मूदा
लुधियाना। व श्रोमती बुजरानी पत्नी श्री
रामसूनि मोहन्ला मूदा, लुधियाना।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्त द्वारा,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लिखित अविक्त :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० वी XIX 537-38-253 व० गज तरफ
गहलेवाल कालेज रोड, लुधियाना।
जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख न०
2538 न० मार्च, 1977 में दर्ज है।नत्यू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियानातारीख 9 नवम्बर 1977
मोहर,

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर, 1977

निवेश स० पी० टी० ए०/ डी० ए० ए० आई०/ 1/77-78--
अतः मुझे एल० पी० धी०आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक हैऔर जिसकी स० फैक्टरी न० 94 माडला बक्स जिनिंग
और परेसिंग फैक्टरी का 1/10 भाग है तथा जो सरहिंद पटियाला
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख
मार्च, 77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--(1) श्री मतपाल पुत्र श्री बनारसी दास, 30, नेता जी सुभाष
मार्ग, देहली-2

(अन्तरक)

(2) मै० इण्डस्ट्रीयल गैस कारपोरेशन 30, नेता जी सुभाष
मार्ग देहली- 2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किये जा सकें।स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुख शब्दों और वदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैक्टरी न० 94, माडला बक्स जिनिंग और परेसिंग फैक्टरी
का 1/10 भाग जो कि सरहिंद जिला पटियाला में स्थित
है।(जैसे कि रजिस्ट्री कर्ता के विलेख न० 123, मार्च, 77
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी देहली के कार्यालय में लिखा है)।एल० पी० धीर
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना
नारीख 16-11-77
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री गोबिन्द गाम पुत्र श्री बनारसी दास, 30, नेता जी सुभाष मार्ग, देहली-2।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर, 1977

निदेश म० पी० टी० ए० / डी० ए० ल० आई० / 2/77-78—
अन्, मुझे एल० पी० धीर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्री जिसकी म० फैक्टरी न० 94, माडला बक्स जिनिग और पर्सिंग फैक्टरी का 1/10 भाग है तथा जो मरहिन्द, पटियाला में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ग

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) मै० डण्डस्ट्रीयल गैस कारपोरेशन 30, नेता जी सुभाष मार्ग, देहली- 2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी न० 94, माडला बक्स जिनिग श्रीर पर्सिंग फैक्टरी का 1/10 भाग जो कि मरहिन्द जिला पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 124, मार्च, 77 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी देहली के कार्यालय में लिखा है)।

एल० पी० धीर

सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 16-11-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर, 1977

निदेश न० पी० टी० ए० / डी० एन० आई० / 3/ 77-78 —
अत, मुझे एन० पी० धीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिमकी स० फैक्टरी न० 94 माडला बक्स जिनिंग और परेसिंग फैक्टरी का 1/10 भाग है तथा जो सरहिन्द, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसो हिसी आय या किसी धन या यन्य ग्रासियों का जन्म भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री महाबीर मिह प्रसाद पुत्र श्री बनारसी दास 30, नेता जी सुभाष मार्ग, देहली-2

(अन्तरक)

(2) मैं इण्डस्ट्रीयल जैस कारपोरेशन 30 नेता, जी सुभाष मार्ग, देहली-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पोकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी न० 94, माडला बक्स जिनिंग और परेसिंग फैक्टरी का 1/10 भाग जो कि सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 125, मार्च, 77 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी देहली के कार्यालय में लिखा है।)

एल० पी० धीर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 16-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बाबू राम पुत्र श्री बनारसी दास, 30, नेता जी सुभाष मार्ग, देहली-2

(अन्तर्क)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर, 1977

निकेश मं० पी० टी० ए० / डी० एल० आई० / 4/ 77-78 --
अत., मुझे एल० पी० धीर

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० फैक्टरी नं० 94, माडला बक्स जिनिंग और परेसिंग फैक्टरी का 1/10 भाग है, तथा जो सरहिन्द, पटियाला में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्क) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिये;

पन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

(2) मै० इण्डस्ट्रीयल गैम कार्पोरेशन 30, नेता जी मुभाप मार्ग, देहली-2

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पांि के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ऐसे भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी नं० 94, माडला बक्स जिनिंग और परेसिंग फैक्टरी का 1/10 भाग जो कि गर्हन्द जिला पटियाला में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के धिलेख नं० 126 मार्च, 77 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी देहली के कार्यालय में लिखा है)।

एल० पी० धीर
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 16-11-77

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर, 1977

निवेश सं० पी० टी० ए० / डी० ए० ए० आई० / 5/ 77-78 —
अन्तः, मुझे एल० पी० धीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी न० 94, माडला बक्स जिनिंग
और परैसिंग फैक्टरी का 1/10 भाग है तथा जो मरहिन्द, पटियाला
में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीरकण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च,
77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री बनारसी दास, 30 नेता
जी सुभाष मार्ग, देहली-2

(अन्तरक)

(2) मै० हण्डम्टीयत गैस कारपोरेशन 30 नेता जी सुभाष
मार्ग देहली-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
गूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य अवित द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम्म अध्याय में दिया
गया है।

अनुशूली

फैक्टरी न० 94, माडला बक्स जिनिंग और परैसिंग फैक्टरी
का 1/10 भाग जो कि मरहिन्द जिला पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता न० बिलेव न० 127 मार्च, 77, में
रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी देहली के कार्यालय में निखा है)।

एल० पी० धीर
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख . 16-11-77
मोहर :

प्रूप आई०टो०एन०एम०---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, दिल्ली- 1

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1977

निर्देश म० आई० ए० सी० / पक्ष्य०/1/ पक्ष० आर०-III/
मई-11 (33) /57/ 77-78/ 4077 —यत, मुझे, जै०
एम० गिलग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी स० 8/25 है तथा जो डब्ल स्टोरी, जगपुरा
एक्सटैन्शन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित
मही किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुप्रिश्न के लिए;ग्रन्त: ग्रब, उक्त अधिनियम, को वारा 269-व के
प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को वारा 269-व की
ईउग्राम(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यो, प्रर्यातः—
10-356GT/77(1) श्रीमती हरमीत कौर, पत्नी श्री हरजीत सिंह निवासी
8/25, डब्ल स्टोरी, जगपुरा एक्सटैन्शन, नई दिल्ली
(अन्तरक)(2) श्री गुरवीन्द्र सिंह नथा मजीनसिंह, मुमुक्षु श्री बलदेव
सिंह, निवासी मकान न० 8/24, डब्ल स्टोरी, जगपुरा
एक्सटैन्शन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान न० 8/25, जिसका क्षेत्रफल 286 वर्गफुट है, डब्ल
स्टोरी, जगपुरा एक्सटैन्शन, नई दिल्ली में है।जै० एम० गिल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, 4/14क, आगमकाली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1977

निर्देश भ० आई० ए० मी०/ पक्ष००/ 1/ एम० आर०-111/ 107/ अगस्त-1 (10) / 77-78/ 4077 -- अत, मुझे, जै० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भ० बी०-55 है तथा जो स्वामी नगर, चिराग दिल्ली गाव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरी कृष्ण कपूर, सुपुत्र श्री मुरारी लाल निवासी सी०-46 नं १८ दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री अमर नाथ चड्डा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मोहन लाल चड्डा निवासी बी०-2/27, लाजपत नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाटेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट न० बी०-55, जिसका क्षेत्रफल 500 कर्गज है, स्वामी नगर कालौनी, चिराग दिल्ली गाव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट न० बी०-56

पश्चिम : प्लाट न० बी०-54

उत्तर : 150' चौड़ी सड़क

दक्षिण : 15' चौड़ी मर्मिस लेन

जै० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टो० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, 4/14क, आम कानूनी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर, 1977

निर्देश म० आई० ए० सी०/एक्य०/ 1/ एम० आर०-111/
1277/ मार्च-1 (8)/ 77-78/ 4077—अतः, मुझे, जो०
एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि क्षेत्रफल 17 बाग 17 बिसवा
निगरी गाव, महरौली तहसील, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उचाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-3-
1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश्य प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वक्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अक्तियों, प्रस्तुतः—

(1) श्री ब्रिगेडियर एन० टी० नाथन, सुपुत्र स्वर्गीय श्री
गव बहादुर बी० नाटेन, निवासी 31,
लायटन रोड, सागली होस्टल, नई दिल्ली तथा
श्रीमती लक्ष्मी नाथन, पत्नी ब्रिगेडियर एन० टी०
नाथन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जान कालरा, पत्नी श्री रामेश कालरा, निवासी
सी० सी०- 20, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदृश्य शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक की होल्ड कृपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 बीगा तथा 17
बिसवा है, खमरा न० 45-11/ 1 (4-10), 44-3/ 2 (-19),
14-14/ 1, (4-15), 44-15/ 1 (4-11), 44-27 (-9),
44-8/ 2 (-13), 44-7 (1-18), है, गाव तहसील महरौली,
नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-11-1977

भोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 14th November 1977

No F 6/25/61-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri R. R. Kumar, Private Secretary to Hon'ble Judge, as Officiating Assistant Registrar with effect from the afternoon of 9 November, 1977, until further orders.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th October 1977

No A 32014/1/77-Admn.I—The President has been pleased to allow Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 15-10-1977 on purely temporary and *ad hoc* basis *vide* orders of even number dated the 15th September, 1977, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period with effect from 16-10-1977 to 28-12-1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary,
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE
(FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT)

New Delhi, the 16th August 1977

No A 11.15/77—Shri S. Sarangapani, Inspector of Income-tax, Trichy is appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Madras Zonal Office of this Directorate with effect from 28-7-77 (F.N.) and until further orders.

J. N. ARORA
Deputy Director (Admn)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th November 1977

No A-19021/4 77-Ad V—The President is pleased to appoint Shri Venkanna Aivali, an L.P.S. Officer from Jammu and Kashmir Cadre as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment) with effect from the afternoon of 31-10-77 on deputation basis until further orders.

R. P. GUPTA
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 5th November 1977

No O II-247/70-Estt.—Consequent on his retirement from Government service Shri Pritam Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P. 2nd Bn, CRPF on the afternoon of 8-8-76 (A.N.).

No O II-1076/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Bina Gupta as G.D.O. Grade I (Assistant Commandant) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of 24th October, 1977 until further orders.

The 11th November 1977

No O.II-1046, 76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Koshy Eapen as Junior Medical Officer in the CRPF, on an *ad hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 31st October, 1977 or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 14th November 1977

No. A VI-17/75-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Major Ajai Singh (Retd.) as Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in the Central Reserve Police Force until further orders.

2 He took over charge as Deputy Superintendent of Police (Company Commander) in G.C., Gaubati on the forenoon of 25th October, 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
(CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-110024, the 2nd November 1977

No F-38013(3)/27/75-Pers.—On transfer from Thumba Shri R. G. Thampi assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Cochin Port Trust, Cochin with effect from the forenoon of 20th September 1977.

No E-38013(3)/27/77-Pers.—On transfer from Cochin Shri C. Ramaswamy, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, India Govt. Mint, Hyderabad with effect from the forenoon of 16th September, 1977, vice Shri K. A. Punnoose, Asstt. Commandant who relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of the same date.

The 11th November 1977

No I-38013(3)/13/77-Pers.—On transfer to Durgapur, Shri S. M. Saini, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Training Reserve, New Delhi with effect from the afternoon of 5th September, 1977.

L. S. BISHT
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 2nd November 1977

No Admn/17-14/77—Shri Kedar Nath Kapur, Section Officer (Audit) a permanent member of Subordinate Railway Audit Service is appointed to officiate as Audit Officer in the scale of Rs 840-40-1000-EB-40-1200 at Headquarters Office w.e.f 19-10-77 F.N. until further orders.

R. JOSHI
Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 9th November 1977

No 71019(9)/77-AN-II—On the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in 1975, the President is pleased to appoint Shri Dilip Kumar Biswas as probationer in the Indian Defence Accounts Service with effect from 14th July, 1976 (Forenoon).

V. S. BHIR
Addl. Controller General of Defence Accounts

INDIAN ORDNANCE FACTORIES, SERVICE
(DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES)

Calcutta, the 9th November 1977

No. 73/77/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri Sukumar Banerjee, Offg A M (Subst & Permit Foreman) retired from service w.e.f. 30th June, 1977 (A.N.).

M P R. PILLAI
Asst. Director General, Ordnance Factories

Calcutta-700069, the 9th November 1977

No. 74/77/G.—On attaining the age of superannuation, Smt. Ranu Rajagopalan, Offg ASO/Subst. & Permit Asstt. retired from Service with effect from 31-10-77 (A.N.)

No. 75/77/G.—On attaining the age of superannuation, Shri Kalidas Guha Offg ASO/Subst. & Permit Asstt. retired from service with effect from 31-10-77 (A.N.)

D. P. CHAKRAVARTI
ADG/Admin.-II
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 11th November 1977

No. 12(9)/61-Admn (G).—On reversion from deputation with the Government of Mizoram, Shri S. C. Sharma has assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Industrial Management & Training) at the Branch Small Industries Service Institute, Bhiwani w.e.f. 12th September, 1977 (F.N.).

No. A-19018/289/77-Admn (G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Vadali Satyanarayananmurthy as Deputy Director (Chemical) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. the forenoon of 7th October, 1977 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri Vadali Satyanarayananmurthy assumed charge of the post of Deputy Director (Chemical) in the Small Industries Service Institute, Ahmedabad w.e.f. the forenoon of 7th October, 1977.

V VENKATRAYULU
Deputy Director (Admn.)

SURVEY OF INDIA
(SURVEYOR GENERAL'S OFFICE)
Dehra Dun, the 9th November 1977

No. C-5300/707.—Shri P. C. Mitra, Draftsman Division I, Sel Gde is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post) Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 29th June 1977 and posted to No. 4 Drawing Office (SC), Bangalore

K. L. KHOSLA
Major General,
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 14th November 1977

No. F 11-14/76-A 1.—Shri P. R. Malik, Offg Archivist (Genl.) selected through U.P.S.C. under Direct Recruitment Quota is appointed to the post of Archivist (Genl.) on regular basis w.e.f. 24th August, 1977 under Departmental Promotion quota, until further orders.

No. F 11-14/76-A 1.—Shri Nirmal Kant, Assistant Archivist (Gr. I) (Genl.) and offg Archivist (Genl.) on *ad hoc* basis is appointed as Archivist (Genl.) on regular temporary basis, w.e.f. 24-8-77, until further orders.

No. F 11-9/77-A 1.—The undermentioned Assistant Archivist, Gr. I (Genl.) are appointed to officiate as Archivist (Genl.) (Cl II-Gazetted) on purely *ad hoc* basis with effect from 2-11-77 (F.N.) and until further orders.—

- 1 Shri S. K. Dogra
- 2 Smt. A. Kant.

This *ad hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion for the next higher grade.

No. F 11-12/77-A 1.—Consequent on resumption of duty from leave by Shri J. L. Bhattacharya, Asstt. Engineer, Shri J. P. Bhattacharya, Permanent Foreman (Mechanic) and Offg Asstt. Engineer on *ad hoc* basis *vice* Shri J. L. Bhattacharya, reverts to his substantive post of Foreman (Mechanic) with effect from 29th October, 1977 (A.N.).

No. F 11-12/77-A 1.—Shri J. P. Bhattacharya, Foreman Mechanic is appointed to officiate as Asstt. Engineer (Class II Gazetted) on purely *ad-hoc* basis with effect from 1st November 1977 (F.N.) and until further orders. This *ad-hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion for the next higher grade.

Sd. ILLEGIBLE
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th November 1977

No. 10/118/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri J. K. Mehta to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Lucknow with effect from 2-8-1977.

The 14th November 1977

No. 15/182/62-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Gulam Mohi-ud-din on his re-instatement to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Jammu with effect from 8-8-1977 (F.N.).

HARJIT SINGH
Deputy Director of Admn
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 14th November 1977

No. A-12018/2/74-Ext. I.—Consequent on gazetting of the posts of Layout Artist in the Films Division *vide* Government orders contained in the Ministry of Information & Broadcasting letter No. A-12018/4/77-F(A) dated the 26th October, 1977, the following incumbents of the posts will enjoy gazetted status with effect from 1st November, 1977.—

- 1 Shri M. V. Devidasan (officiating Layout Artist). He is at present officiating in a leave vacancy against the gazetted post of In-between Animator.
2. Shri D. T. Rokade (officiating Layout Artist).

The post of Layout Artist is a Group 'B' post carrying the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Revised).

MUSHIR AHMAD
Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 31st October 1977

No. A. 11017/5/76-CGHS. I.—In continuation of notification No. A. 11017/5/76-CGHS. I dated 18-8-77, the Director

General of Health Services is pleased to appoint Dr M. B. Singh as Ayurvedic Physician on *ad hoc* basis in the Central Govt. Health Scheme, Bangalore for a further period from 1-10-1977 to 31-12-1977 or till a regular incumbent joins which ever is earlier

N. S. BHATIA
By Director Admin

New Delhi, the 14th November 1977

No. A 31014/2/77(HQ) Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. C. Gaig in a substantive capacity to the permanent post of Librarian Grade I in the National Medical Library of the Directorate General of Health Services with effect from the 26th May, 1977

S. L. KUTHIALA
By Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF EXTENTION

New Delhi, the 7th November 1977

No. F 124/77-Est I.—On the recommendations of D.P.C. (Group 'B') of the Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), Shri J. Nag, presently holding the post of Business Manager on temporary basis is appointed substantively to the permanent post of Business Manager, G.C.S., Group 'B' (Gazetted) (Non-Ministerial) in the scale of Rs 840—40—1000—EB—40—1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Dept. of Agriculture) with effect from 10-9-1975.

CHANDRA PRAKASH
Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 26th October 1977

No. DPS/23/2/77/Est /32063.—In continuation of this Directorate notification of even number dated October 11, 1977, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M.A. Shaikh, Storekeeper, Central Stores Unit of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the same Directorate for a further period upto October 19, 1977 (AN)

No. Ref. DPS/41(2)/77-Adm /32069.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. Y. Gokhale, Storekeeper, Central Stores Unit of this Directorate at Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 in the same Directorate with effect from June 1, 1977 to October 31, 1977 *vivec* Shri T. R. S. Thampi, Assistant Stores Officer appointed as Stores Officer

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600 006, the 2nd September 1977

No. Ref. MRPU/200(105) '77 Adm.—In continuation of this office notification of even No. dated 19-7-77 the Director Purchase & Stores is pleased to extend the appointment of Shri K. Unnikumar an officiating storekeeper in the Director of Purchase & Stores, Transport and Clearance wing of Madras Regional Purchase Unit as officiating Assistant Stores Officer in the same unit upto September 13, 1977

The 14th October 1977

No. Ref. MRPU/200(18)/77 Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri B. Dhandapani an officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase & Stores,

Madras Atomic Power Project Stores, Kalpakkam as Officiating Assistant Stores Officer in the same unit with effect from the forenoon of September 19, 1977 to October 26, 1977.

S. RANGACHARY
Purchase Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd November 1977

No. A 38012/7/77-EC.—Shri K. V. S. Moorthy, Asstt. Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras Airport, Madras relinquished charge of his office on the 30th September, 1977 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 14th November 1977

No. 1/412/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. Sreenivasulu, Technical Assistant, Madras Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 19-5-76 to 11-6-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/412/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. Sreenivasulu Technical Assistant, Madras Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 6-5-77 to 8-6-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

MINISTRY OF WORKS, HOUSING, SUPPLY & REHABILITATION

DEPARTMENT OF SUPPLY

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 8th November 1977

No. G-65/B(CON).—The undersigned hereby appoints Saivashu A. K. Dutta Gupta & Mahadeb Bhattacharyya, Scientific Assists (Chem.) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officers (Chemical) in the same office w.e.f. 7-10-77 (AN) and 15-10-77 (AN) respectively on an *ad hoc* basis until further orders

B. C. BISWAS
Joint Director
National Test House, Alipore

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Madras-600006, the 5th November 1977

CORRIGENDUM

In the matter of Companies Act, 1956

No. 2120/560(3)/77.—The name of the company may please be read as "Pudukkottai Viyaparigal Sangam" instead of "Pudukkottai Viyaparigal Sangam" appearing in the Notification No. 2120/560(3)/77 published in the Gazette of India, Part III, Section I dated 17-9-77 at Page No. 4227

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

(COMPANY LAW BOARD)
NOTICE UNDER SECTION 445(2)

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s Chandrama Benefit Company Private Limited*

Ahmedabad-380009, the 14th November 1977

No 1576/Liquidation—By an order dated 8-8-1977 of the Hon'ble High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No 4 of 1977, it has been ordered to wind up M/s Chandrama Benefit Company Pvt., Ltd.

J G GATHA
Registrar of Companies
Gujarat

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Hind Publishers Limited*

Jullundur, the 15th November 1977

No G/Stat/560/1021/8941—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hind Publishers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S P TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of Companies Act 1956 and of
The Peraiyu Bharath Ginning Factory Private Limited
(In Lqn.)*

Madras-600 006, the 30th December 1975

No 2131/Lqn/S. 560(5)/75—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec 560 of the Companies Act 1956 that the name of The Peraiyu Bharath Ginning Factory Private Limited (in Liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved

P. ANNAPURNA
Addl Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi-110002, the 3rd November 1977

F No 36/12/77-AD/DOMS—On his selection for appointment on deputation, Shri D Datta, Deputy Commandant of the Directorate General Boarder Security Force, has assumed the charge of the Office of the Dy. System Adviser, Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi w.e.f the afternoon of 29th October, 1977

F No 36/13/77-AD/DOMS/HI1025—On his selection for appointment on deputation, Shri R. K. Kanauji, Permanent Stats Investigator, Offg Assistant Director (*ad hoc*) of the office of the Chief Administrative Officer, has assumed the charge of the office of the Systems Officer, Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi w.e.f. the forenoon of 1st November, 1977

JAGDISH CHAND
Director

FORM ITNS—

(1) (i) Smt. Protima Sen Gupta,
(ii) Phoni Bhushan Sen Gupta,

(Transferor)

(2) The Assembly of God Church.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1977

Ref No. AC-22/Acq /Range-IV/Cal/77-78—Whereas, I, P P SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No 159/14, situated at Netaji Subhas Ch Bose Road. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-3-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that piece and parcel of land measuring 11 K 11 Ch. 27 Sft together with three storied building thereon situated at 159/14, Netaji Subhas Ch Bose Road, Tollygunje, Calcutta. More particularly as per deed No 1017 dt. 11-3-1977

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pradip Kumar Arya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

(2) (i) Mathura Kr. Agarwal,
 (ii) Pawan Kr. Sanghi,
 (iii) Ashoke Kumar Sanghi,
 (iv) Benode Kumar Sanghi,
 (v) Hari Prosad Sanghi.

(Transferee)

Calcutta, the 14th November 1977

Ref. No. AC-21/Acq./R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No P 28, situated at C.I.T. Road, Sch. No. VIM situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 3-3-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 K. 7 Sft. situated at and being demarcated Western portion of the Municipal premises No. P 28, C.I.T. Road, Sch. No. VI M, P. S. Fulbagan, Calcutta, more particularly as per deed No. 887 dt. 3-3-77.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-11-1977.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
11—356GI/77

FORM ITNS

(1) Shrimati Wani Bai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Shilpani Sen.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1977

Ref No. AC-24/Acq R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 150, situated at B T Road, 24-Pgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat, 24-Pgs. on 2-3-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 7.5 cottahs together with buildings thereon situated at 150, B. T. Road, Khardah, 24-Pgs. more particularly, as per deed No. 535 dated 2-3-1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 14-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kamala Bose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagadish Chandra Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1977

Ref. No. AC-25/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I,

P. P. SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 89/139, situated at Pandit Ishwar Chandra Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 2 chittaks 25 sft. together with building thereon situated at 89/139, Pandit Ishwar Chandra Road, Rishra, P.S. Serampore, Hooghly, more particularly as per deed No. 1099 dated 18-3-1977.

P. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Alfred Clarence Reynolds.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Seva Sanga Samity.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AC-23/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, situated at Wat Kins Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 19-3-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 18 cottahs 15 chittaks 21 sft. together with structures thereon situated at 12, Watkins Lane, Golabari, Howrah, more particularly as per deed No. 696 dated 19-3-1977.

P. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-11-1977.

Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Carmichael Properties Pvt. Ltd.
Carmichael Shikarpur Co-operative Housing Society
Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Shriyans R. Jain,
2. Smt. Kamla Devi Jain,
3. Sri Gian C. Jain,
4. Smt. Satyavati Jain,
5. Sri Prem C. Jain,
6. Smt. Durgavati Jain,
7. Sri Shashi C. Jain,
8. Smt. Neera Jain,
9. Sri Sharad Kumar Jain,
10. Smt. Vandana Jain,
11. Sri Pramod Kumar Jain,
12. Smt. Usha J. Jain.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY
AYURVED HOSPITAL BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400 002, the 14th November 1977

Ref. No. AR-I/1995-23/Mar77.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 3/723 of M&C Hill Division situated at Carmichael Rd (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 30/72/Bom, and as registered on 17/3/77 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Flurya Swiss Confectionary Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY
AYURVED HOSPITAL BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

(2) Beacon Co-operative Premises Society Ltd.

1. Mr. Erach Mistry
2. Mr. Sybil Mistry
3. H. H. Jetpur
4. Mrs. N. Gopaldas
5. Dr. F. N. Kohiyar
6. Dr. S. S. Nishat
7. Col. Virbadhrasinh
8. Mr. Alreja, K.
9. Mrs. S. Shankar
10. Mr. N. M. Kamte
11. Mr. P. K. S. Guzfar
12. Mr. A. F. Dubash
14. Dr. J. N. Sidhva
13. Mr. K. F. Dubash
15. Mr. Ish Kumar Gupta
16. Trade Counsel for France.

(Transferee)

Bombay-400 002, the 15th November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1103/76/Bom and as registered on 7/3/1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 15-11-1977

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Leela Anant Deshpande.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dwarkaprasad J. Agarwal.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400 002, the 15th November 1977

Ref. No ARI/1988-16/Mar 77.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1778 of Fort Division situated at Marine Drive (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2023/Bombay/73 and as registered on 7/3/1977 with the Sub Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-11-1977

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY
AYURVED HOSPITAL BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400 002, the 15th November 1977

Ref. No. AR-I/2007-35/Mar 77.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 161 of M&C Hill Division situated at Ridge Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bombay on 31-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghunath P. Radhelal; Brijendra R. Prasad; Rajendra R. Prasad and Surendra R. Prasad. (Transferor)
- (2) Suvarna Sapna Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Members of the Society. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3164/72/Bom and as registered on 31/3/1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-11-1977

Seal :

FORM ITNS —————

Annexure 'A'

- 1 Shri Harilal Nanji Patel
- 2 Shri Bhupendra Vrajil Mehta
- 3 Shri Dharamdas Nemchand Juthani & Smt. Vijaya-laxmi Dharamdas Juthani
- 4 Smt. Savitgori Harilal Hafadia
- 5 Shri Arvindbhai Mammoandas Thar
- 6 Smt. Madhukanta Jayantilal Shah
- 7 Smt. Kanchanben Sobhagchand Shah and Shri Sobhagchand Hargovindas Shah
- 8 Smt. Kantaben Shivilal Shah
- 9 Shri Jashwantlal Manilal Shah & Smt. Santaben Jashwandal Shah
- 10 Shri Rajnikant Kanchanlal Shah
- 11 Shri Arun Indulal Dholkiya
- 12 Smt. Kiran Shantilal Shah
- 13 Smt. Pushpaben Balkrishna Desai
- 14 Shri Jaisinghthal Chunilal Shah
- 15 Dr. Sumatlal Mohanlal Shah
- 16 Shri Suryakant Prabhudas Patel
- 17 Smt. Shantakumari Ratulal Popat & Shri Rati Hemraj Popat
- 18 Shri Dhansukhlal Chunilal Parekh
- 19 Shah Popatil Murji
- 20 Shri Nagardas Jethabhai Shah

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL those pieces or parcels of land or ground together with the hereditaments and premises standing thereon known as "Maheshwar Prakash No. 2" situated lying and being at Cottage Lane at Santacruz in the Village Danda in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra containing by admeasurement 1548 square metres equivalent to 1851 square yards or thereabouts bearing Final Plot Nos. 17 & 18 (formerly bearing Plot No. 74-C and 74-D) of town planning scheme No IV santacruz and bearing New C.T.S No 208/G (part) and bounded as follows : that is to say, On or towards the North by Cottage Lane, (Tenth Road), On or towards the South by Final Plot No. 79 of the said Scheme, On or towards the East by the property bearing Final Plot No 75 of the said Scheme and on or towards the West by property known as "Maheshwar Prakash No 1" and beyond that by St Andrews Road.

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 16-11-1977
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY.

Bombay, the 16th November 1977

Ref. No. A.R.II/2383-1/Mar. 77.—Whereas, I, G. A. James being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Final Plot No. 17 & 18 T.P.S IV* situated at Santacruz (W) "New C.T.S. No 208/G (part)" (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the

- (1) Jasraj Ramji Patel and (2) Premji Jasraj Patel Partners of M/s. Maheshwar Construction Company.
(Transferor)
- (2) Maheshwar Prakash No. 2 Co-op Hsg. So. Ltd
(Transferee)
- (3) As per annexure 'A'.
(Person in occupation of the property)
- (4) Same as per annexure 'A'.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

FORM ITNS

Annexure 'A'

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 16th November 1977

Ref No A.R. II/2385-3/Mar 77.—Whereas, I, G. A James being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Final Plot No 366, T.P.S. No III City S No. F/469 situated at Bandra (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Yunus Haji Latif Aghadi, Proprietor of M/s. Hasm Building
(Transferor)

(2) Golden Rocks Co-op. Hug So. Ltd
(Transferee)

(3) 1. Mauric Dominic Gonsalves
2. Mauric Dominic Gonsalves
3. Mrs. Epicioza Das
4. Bhavanji Morarji
5. Miss Ivy D'souza
6. Rohidas Bhangera
7. D P Hardasmalani
8. Shri K. G Jhangiani
9. Shri Daniel Mascarenhas
10. Dr B. S Shetty
11. Devappa Pujari
12. Peter D'Silva
13. Popatil Morarji Shah

(Person in occupation of the property)

(4) 1. Mauric Dominic Gonsalves
2. Mauric Dominic Gonsalves
3. Mrs. Epicioza Das
4. Bhavanji Morarji
5. Miss Ivy D'souza
6. Rohidas Bhangera
7. D P. Hardasmalani
8. K. R. Koklani
9. Moses Roderiques
10. Shaikh Abdul Hafis Adam
11. Nanji Krishini Shah
13. Popatil Morarji Shah

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground TOGETHER WITH the building known as "Kalpana" with out-houses, motor garages, shops and other structures standing thereon situate, lying and being at 16th Road, Bandra, in the Revenue Village of Danda, Taluka Andheri, in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 543 48 Square Metres or thereabouts) that is, 650 Square Yards or thereabouts) and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Final plot No 366 of Town Planning Scheme No. III, Bandra, and bearing City Survey No F/469 and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes, Municipal Corporation of Greater Bombay under Ward No. H 5555 and street No 366, 16th road, T.P.S. III, Bandra, and bounded as follows—that is to say, on or towards the NORTH by the property of New Veena Co-operative Housing Society Ltd, on or towards the SOUTH by the property of New Manendra Co-operative Housing Society Ltd, on or towards the EAST by the property of Bandana Co-operative Housing Ltd, and on or towards the WEST by the said 16th Road, Bandra

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 16-11-1977
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 16th November 1977

Ref. No. A R.II/2385-5/Mar. '77—Whereas, I, G A. James being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot No. 387A, C.T.S. No 56-A situated at Bandra (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Smt Almati Burjorji Balsara
(Transferor)
(2) Pali Darshan Premises Co-op So Ltd.
(Transferee)

(3) 1 Smt Pushpakumari Jain Darshan Kumar Jain
2. Miss May Joan Mascaranhas
3. Mr. Joginderkumar Roshanlal Jain
4. Smt Kamla Govindram Ahuja
5. Smt. Parpati Siwatram Gehani
6. Smt. Kamla Rani Danjisingh Dhuliwal
7. Smt. Laxmibai Jeomal Bhagchandani
8. Smt. Vaanti Tikamdas Punjabi and
Jannabai Tikamdas Punjabi
9. Mrs. Sunder Ranjit Karkar
10. Shri Naraindas Lalchand Thakur
11. Mr. Kanaiyalal Ramsukh Misra
12. Mr. Pritam G. Vaswani
13. Smt. Asha J. Jain
14. Smt. Mabel Rodricks

(Persons in occupation of the property)

Annexure 'B'

1. Smt. Pushpakumar Jain
2. Miss May Joan Mascaranhas
3. Mr. Joginderkumar Roshanlal Jain
4. Smt. Kamla Govindram Ahuja
5. Smt. Parpati Siwatram Gehani
6. Smt. Kamla Rani Danjisingh Dhuliwal
7. Baba Kachna Shah
8. Mrs. Gangabai Chandru Balchandani
9. Mrs. Sunder Ranjit Karkar
10. Shri Naraindas Lalchand Thakur
11. Mr. Kanaiyalal Ramsukh Misra
12. Hansa Mukraj Mehta
13. Anthony Simon Fernandes
14. Monica Hopkins
15. Shri Yunus Hajji Latif Aghadi, Prop :
of M/s. Hasin Builders

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land together with temporary huts (Jaolis) situate, laying and being at Pali Danda and comprised in the Town Planning Scheme Bandra No III and being in Sub-registration of Bombay City Suburbs: Bombay Suburban being plot No 387-A C.T.S. No 56-A measuring about 570 sq. yds i.e. 476.57 sq. metres and bounded on the North by plot No 388 on the West by Plot No 387-B belonging to the Vendor on the South by 33rd Road and on the East by 16th Road

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 16-11-1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref No. Acq.F No.475.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 11-30-5 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 4-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Pachigolla Sitaramanjaneyulu.
2. Sri P. P V Ramprasad,
3. Sri P. B. Subrahmanyakumar,
Minor by guardian father P. S. R. Anjaneyulu,
Jaggery Merchant, Canal Road, Vijayawada-1.
(Transferor)

(2) Sri Tadipati Krishnarao,
Baba Medical Emporium,
Park Road, Vijayawada-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 347/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-3-1977

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-10-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Kovvuri Krishnalah,
S/o Anaiah, Corlamitta,
Mettipara sivara, Ongole Tq

(Transferor)

(2) Sri D. Barasimhaao,
Cycle Dealer, Guntur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref. No Acq F.No 476 —Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61/2 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Guntur on 22-3-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1041/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1 Kum. Puppala Suvarna Mukhi,
D/o Kotaiah,
2 Sri Puppala Koteswariao,
S/o Ramaswamy,
Suryanarayananputram, Bhimavaram,
W. G Dist

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

(2) Smt. Sueeki, W/o Shah Jagiraj,
Lalapet, Guntur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref No Acq F No.477—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22-5-11 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 1-3-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 807/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 31-10-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref No. Acq.F.No 478—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1861) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that their immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-12-3 Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Rupakula Durgabhavani Prasad, S/o Venkateswarlu.
2. Sri Rupakula Sivaramakrishnaprasad, S/o Venkateswailu
3. Sri Rupakula Gopalakrishnaprasad, S/o Venkateswailu
4. Smt. Jonnavittula Vijayalaxmi, W/o Laxminarayana
5. Smt. Rallabandi Kankadurga, W/o Krishnamurti.
6. Sri Rupakula Venkata Satyaprasad, minor by guardian father R. Sivaramakrishnaprasad, Satyanarayananapuram, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) Sri Pachipulusu Satyanarayana, S/o Sriramamurty, C/o Srirama Satyanarayana Silk Palace, Vastralata, Vijayawada-1.

(Transferee)

- (3) 1. J. G. Films.
2. Trimurti Films
3. Sri T. Kodandapani Gupta, (Person in occupation of the property)

- (4) Smt. Rupakuma Satyavati, W/o Bhagavatirao, Harihara Printing Press, Gandhinagar, Vijayawada (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 435/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref. No Acq F.No.479.—Whereas, I, N K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

14/13-1-22 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 28-3-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Prayaga Srinivas,
2. Miss P. Vijayalakshmi,
3. Smt. P. Sarada,
4. P. Piabhas,
1-38, Bhagavantham Avenue, Taranka,
Hyderabad-17,
5. Dr. P. Chandrasekhar,
Senior Research fellow in the
Indian Institute of Science,
Bangalore.
6. Smt. Suri Vilimala, W/o Dr. Radhakrishna,
Madras GPA Holder Sri P. Venkanna Pantulu,
S/o Brahmana Pantulu Bangalore
(now at Kakinada).

(Transferor)

- (2) Dr. Aluri Vijaya Laxmi,
W/o Murlikrishnamurty,

Opp. Mahila Super Bazar,
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1014/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-3-1977.

N K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref. No Acq.F.No.480.—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 14/13-1-22 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on 28-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

13—356G1/77—

- (1) 1 Sri Prayugn Srinivas,
2 Miss P Vijayalaxmi,
3. Smt. P Sarada,
4 P Prabhakar,
1-38, Bhagavantham Avenue, Taranka,
Hyderabad-17,
5. Dr P Chandrasekhar,
Senior Research fellow in the
Indian Institute of Science,
Bangalore
6. Smt. Suri Vimla, W/o Dr Radhakrishna,
Madras GPA Holder Sri P Venkanna Pantulu,
S/o Brahmana Pantulu Bangalore
(now at Kakinada)

(Transferor)

- (2) Dr. Aluri Vijaya Laxmi,
W/o Murlikrishnamurty,
Opp Mahila Super Bazar,
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1015 77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-3-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Sri Prayaga Srinivas,
2. Miss P. Vijayalaxmi,
3 Smt P. Sarada,
4 P. Prabhas,
1-38, Bhagavantham Avenue, Taranka,
Hyderabad-17.
- 5 Dr P Chandrasekhar,
Senior Research fellow in the
Indian Institute of Science,
Bangalore.
- 6 Smt. Suri Vimala, W/o Dr Radhakrishna,
Madras GPA Holder Sri P. Venkanna Pantulu,
S/o Brahmana Pantulu Bangalore
(now at Kakinada).

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

- (2) Smt Athuru Venkata Laxmi Vilasam,
W/o Atchutarmayya,
Suryaraopeta,
Kakinada.

(Transferee)

Kakinada, the 31st October 1977

Ref. No. Acq F No 481—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 14/13-1-22 situated at Kakinada and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 28-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1014/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-3-1977

N K NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 31-10-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

(1) 1. Sri Prayaga Srinivas,
2. Miss P. Vijayalaxmi,
3. Smt P Sarada,
4. P. Prabhas,
1-38, Bhagavantham Avenue, Taranka,
Hyderabad-17.
5. Dr. P Chandrasekhar,
Senior Research fellow in the
Indian Institute of Science,
Bangalore
6. Smt Suni Vimala, W/o Dr. Radhakrishna,
Madras GPA Holder Sri P Venkanna Pantulu,
S/o Brahmana Pantulu Bangalore
(now at Kakinada).

(Transferor)

(2) Sri Atluru Atchutaramayya,
S/o Laxmayya, Suryaiaopeta,
Kakinada

(Transferee)

Ref. No Acq F No.482 —Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing 14/13-1-22 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 28-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1014/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

- (1) 1 Sri Prayaga Srinivas,
2. Miss P Vijayalakshmi,
3. Smt. P. Sarada,
- 4 P. Prabhas,
1-38, Bhabavantm Avenue, Tariaka,
Hyderabad-17,
- 5 Dr. P Chandrasekhar,
Senior Research fellow in the
Indian Institute of Science,
Bangalore.
6. Smt. Suri Vimala, W/o Dr. Radhakrishna,
Madras GPA Holder Sri P. Venkanna Pantulu,
S/o Brahmana Pantulu Bangalore
(now at Kakinada).

(Transferor)

- (2) Shri Aluri Muralikrishnamurty,
S/o Venkata Ramayya,
Suryaraopetta.

(Transferee)

Kakinada, the 31st October 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Acq. F. No. 483.—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 14/13-1-22 7 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Kakinada on 28-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1011/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-3-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

- (1) 1. Sri Prayaga Srinivas,
2. Miss P. Vijayalakshmi,
3. Smt. P. Satada,
4. P. Prabhas,
1-38, Bhagavanthm Avenue, Taranka,
Hyderabad-17,
5. Dr. P. Chandrasekhar,
Senior Research fellow in the
Indian Institute of Science,
Bangalore.
6. Smt. Sureshimala, W/o Dr. Radhakrishna,
Madras GPA Holder Sri P. Venkanna Pantulu
S/o Brahmana Pantulu Bangalore
(now at Kakinada).

(Transferor)

- (2) Sri Aluri Muralikrishnamurthy,
S/o Venkatramayya,
Suryaopeta,
Kakinada.

(Transferee)

Ref. No. Acq F.No 484.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

14/13-1-22 situated at Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 28-3-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered doc. No. 1010/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref No. Acq.FileNo 483—Whereas, I, N K NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 2-10-77 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 5-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

(1) M/s. Burugu Viswanadham Bros.,
Guntur, Represented by partners
Burugu Suryaprakash Rao,
Door No 8-1-421, Rashtrapathi Road,
Secunderabad

(Transferor)

(2) Sri Sidhabhaktuni Venkataramanakumar,
S/o Srinivas Rao,
Raipet, Guntur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1983/77 registered before the Sub-Registrar during the fortnight ended on 15-5-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

S/Shri

(1) 1. Batchu Sanyasirao
 2 B. Subbarao
 3 B Venkatarao, GPA Holder, B. Sanyasirao
 4 B Sivaramakrishna
 5 B Vidyasagar
 6 B Pavan
 7 B Vignam
 8. Gollapudi Veerraju

(Transferor)

(1) 1. Kota Suresh Kumar
 2 K Ramgopal
 Dr. K L K. Gupta, Kakinada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref. No Acq File No 486.—Whereas, I, N K. NAGARAJAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that
 the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
 13-1-57 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of Registering Officer at
 Kakinada on 30-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian Income-tax
 Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-
 tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of
 30 days from the service of notice on the
 respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1019/
 77 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the
 fortnight ended on 31-3-1977

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons namely:—

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref. No Acq. File No 487—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 13-1-57 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Kakinada on 20-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/SH1

(1) 1. Batchu Sanyasirao
 2. B. Subbarao
 3. B. Venkatarao, GPA Holder, B. Sanyasirao
 4. B. Sivaramakrishna
 5. B. Vidyasagar
 6. B. Pavan } Sons of B. Venkatarao, GPA
 7. B. Vignam } Holder B. Sanyasirao
 8. Gollupudi Veerajulu

(Transferor)

(1) 1. Kota Suresh Kumar
 2. K. Ramgopal
 C/o Dr. K. G. K. Gupta, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2031/77 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-5-1977

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref. No Acq. File No 488—Whereas, I, N K NAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
R S Nos 94, 99, 101, 106 and 109
situated at Komanapalli Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tuni on 7-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

14—356GI/77

S/Shri

(1) 1 Yanamandla Srinamachandramurti, Tuni
2 Smt Y Prakasamma
3 Y. Subrahmanyam Brahmamanda Sarma
M/G father Y Srinamachandramurti, Tuni
4 Y Venkata Subrahmanyam Satyasai Bhagavantao
M/G father Y. Srinamachandramurti, Tuni
5 Y Venkata Subrahmanyam Satyanarayana Sarma
M/G father Y Srinamachandramurti, Tuni
6 Bulusu Satyanarayanaamurti
GPA Holder Y Srinamachandramurti
7 Smt B Subbalaxmi, Hyderabad
GPA Holder Y. Srinamachandramurti

(Transferor)

(2) Vytla Sesha Ratnam,
W/o Venkata Krishnah,
Ravikampadu, Tuni Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No
439/77 registered before the Sub Registrar, Tuni during the
fortnight ended on 15-3-1977

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref No. Acq.FileNo 489.—Whereas, I, N K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No R S. 163 situated Paradepalem (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 19-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1 Shri Dalli Appalaswamy S/o late Paidaiyah
2 Shri Patnena Kanakaiyah S/o Late Appalaswamy
Paradesipalem (P O.) Boravampalem,
Visakhapatnam Tq

(Transferor)

(2) 1 Bll Battepati Chittibabu
2 Smt B. Suseela Devi,
31-33-11A, Dabagardens,
Visakhapatnam-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

The schedule property as per registered document No. 912/77 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 30-4-1977

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Maddula Chenchunagapoorna Gopalratnam,
S/o Rajaratnam Pulla, W.G Dt
(Transferor)
(2) Penumetsa Narasimharaju,
S/o Subbaraju
T P I. Colony, LIG-F-6 Visakhapatnam-13,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref. No. Acq File No 490—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing R.S. No 89 situated at Ambatupeta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimadolu on 5-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 821/77 registered before the Sub-Registrar, Bhimadolu during the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date 31-10-1977
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref No Acq File No 491—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R S No 89 situated at Ambajupeta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bhimadole on 15-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Sri Maddula Chenchunagapoornagopalaratnam, S/o Rajaratnam Pulla, W.G. Dt. (Transferor)
- (2) Penumetsa Laxmikantamma, W/o Narasimharaju, T P L. Colony, LIG-E-6 Visakhapatnam-13 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE

The schedule property as registered before the 31st October 1977 ended on 15-5-77

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Acq. No. File No. 492—Whereas, I, N K NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason property and I have reason to believe that the fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing R S No 190 to 193 at Jagannadhapuram Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadpalligudem on 15-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Smt. Gannamani Indira Rani,
W/o Ramadurgaprasad,
Jagannadhapuram,
Tadpalligudem Taluk, W.G. Dt

(Transferee)

(2) Sri Chitturi Indrayya, S/o Ramachandralao
Jagannadhapuram
Tadpalligudem Taluk, W.G. Dt

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 606/77 registered before the Sub-registrar, Tadpalligudem during the fortnight ended on 15-3-1977

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Due 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Syed Zafar Ali, S/o late Sri Syed Rahmath Ali
R/o Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Syed Altaf Hussain S/o Syed Afzal Hussain, and
Sri Syed Ahmed Hussain, both residing at 5-1-437
at Jambagh, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 11th November 1977

Re: No RAC No 134/77-78.—Whereas, I
K S VENKATARAMAN,
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having a
fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
Plot No 1 situated at Bashir Bagh Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 14-3-1977
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and /
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No 1 admeasuring 400 Sq. Yds situated at
Bashir Bagh, (Gagan Mahal) Hyderabad, registered *vide*
Document No 570/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 11-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri D Narayan Singh, II No 6608 at Rashtrapathi Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 11th November 1977

Ref. No RAC, No 135/77-78—Whereas, I,
K. S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No
No 4-2-2& 3 situated at Rashtrapathi Road, Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Secunderabad on 31-3-1977,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said in-
strument of transfer with the object of —

(2) Sri Kishenchand Hassomal S/o Hassomal, H No
7-2-915 at Hissamgung, Secunderabad.

(Transferee)

(3) M/s Bata India Ltd., H No. 4-2-3 at R. P. Road,
Secunderabad

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

Portion of premises bearing No 3102 and 3102/A (New
Nos 4-2-3) and 42-2) situated at Rashtrapathi Road Secun-
derabad, registered v/e Document No 467/77 in the Office
of the Sub-Registrar Secunderabad

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 11-11-1977

Seal .

FORM ITNS—

(1) Sri Bolla Mujali Gopala Krishna Rao, Musala Manikyamma, both residing at Wyra, Post. Wyra, Madhira, Tq. Khammam Dist

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref No RAC. No. 136/77-78—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No 10-92 situated at Syia of Somavaram Madhira, Khammam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madhira on 31-3-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Bogeula Nagireddy, S/o Muni Reddy, R/o Wyra, H o Somavaram Post Wyra Madhira-To Khammam Dist

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 10-92 at Wyra of Somavaram, Grampanchayat, Madhira-Tq, Khammam-Dist, registered vide Document, No 177 77 in the Office of the Sub-Registrar Madhira

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Mujlabali Baig, S/o Humayaun Ali, Baig, H
No 5-9-88 at Fateh Maidan Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref No RAC. No 137/77-78.—Whereas, I,
K S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
No 5-9-88/B situated at Fateh Maidan Road, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 15-3-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Portion, House No 5-9-88/B situated at Fateh Maidan
Road, Hyderabad, registered vide Document No. 649/77 in
the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

15-356GI/77

Date : 14-11-1977

Seal .

FORM ITNS

(1) Sri Rajkumar, H No 3-2-350 at Chappalbazar,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

(2) Mis. Sakkar Bai, W/o late Isa Mohd, and Mis Zubeda, W/o SII Akbar Ali, both residing at H. No 5-4-668 at Old Kattalmandi, Hyderabad.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref. No. RAC No. 138/77-78.—Whereas, I,
K S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No 4-1-938/R-6 situated at Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-3-1977,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Front portion of ground floor Shop No. 4-1-938/R-6 at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 683/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : *

Date : 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref. No RAC No 139/77-78—Whereas, I,
K S VENKATARAMAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the said Act) have reason to
 believe that the immovable property having a fair market
 value exceeding Rs 25,000/- and bearing
 S No 94, situated at Vengalapuram, Village Adoni,
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering officer at
 Adoni on 2-3-1977,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Rayachoti Subbaiah, Near Rly. Station, Adoni. 2. Kalepalli Narayana Setty, R/o Kan-chagam Bazar, Adoni. 3. Thammulam Madlesappa Setty, Advani's Laxminarayan, Vedi, Adoni 4 Denesity Mahadevappa, Santhapeta, Adoni

(Transferor)

(2) Sri Rayachoti Viswanadham Nagar Co-operative House Construction Society, Ltd No Y. Y 72 Adoni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring Acrs. 2.41 in Survey No. 94 situated at Vengalapuram, Adoni registered vide Doc. No. 306/77 in the office of the Sub-Registrar Adoni.

K. S. VENKATARAMAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Leela Bai, W/o Shankerlal Agarwal, H N
15-1-5 at Osmangunj, Hyderabad
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Tikka Sumanarayana, S/o Sarvarayudu, C/o
M/s Tikka Srimapharayana & Co 15-1-6 at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref No RAC. 140/77-78.—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No 15-1-6 situated at Osmangunj, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 31-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Mulgi bearing No 15-1-6 situated at Nizamshai Road, Osmangunj, Hyderabad, registered vide Document No 684/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date, 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Swastik Construction Co at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad-3
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref No RAC No 141/77-78—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Office No. 326 on IIIrd floor of Chandraloka, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad on 31-3-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri K Venkat Reddy, by L R Sri K Sudhi Reddy, H No 34-448/2/1 at Narayanguda, Hyderabad
(Transferee)

(3) Minerals Director, Development Wing Atomic Energy, at 111-S D Road, Secunderabad
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 326 in IIIrd floor of Chandraloka Complex, at III Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc.No 374/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Swastic Construction Co. at S D Road, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref. No RAC. No. 142/77-78.—Whereas, I,
K S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
Office No 215 on 11nd floor of Chandralok, Complex,
Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Secunderabad on 31-3-1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(2) Master S Aditya, Reddy, S/o M. Sundaramireddy,
H. No. 6-3-1186 at Begumpet, Hyderabad.
(Transeree)

(3) M/s Sreeram Chemicals, at Chandralok Complex
Secunderabad
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Office No 215 in 11nd floor of Chandralok Complex, situated
at III-S D Road, Secunderabad, registered vide Document
No. 382/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Swastic Construction Co S. D. Road, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref. No. RAC. No 143/77-78.—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 328 on IIIrd floor of Chandralok Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-3-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri K. Laxminarayana Reddy, C/o Smt. J. Kaushalya Devi, H No 3-4-448/2/1 at Y.M.C.A Hyderabad

(Transferee)

(3) Director of Minerals, Minerala Development Wing Atomic Energy, Secunderabad
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 328 on IIIrd floor of Chandralok Complex No 384/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref No RAC No. 144/77-78—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 236 office No on IIInd floor of Chandialok, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Swastik Construction Co., at S D Road, Secunderabad

(Transferor)

(2) Smt B. Hemalata Devi, H No 252 1 at Maredpally, Secunderabad

(Transferee)

(3) Estate Officer, of BHEI, Ramachandrapuram, Secunderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 236 in IIInd floor of Chandialok Complex at III-SD Road, Secunderabad, registered vide document No. 385/77 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Swastik Construction Co., at S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE(2) Miss Sree Laxmi Devi-Reddy, D/o M Sunder-
Ramireddy, at Begumpet, Hyderabad

(Transferee)

(3) M/s Shicram Chemicals, at 111-S D Road, Secun-
derabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref No RAC No. 145/77-78.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
Office No. 216 on 11nd floor of Chandralok Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad on 31-3-1977,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Office premises No 216 in 11nd floor of Chandralok Complex, at S.D. Road, Secunderabad, registered vide Doc No 397/77 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

16—356 GI|77

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 14-11-1977

Seal:

FORM ITNS

(1) M/a Swastic Construction Co., at S. D. Road, Secunderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref. No RAC. No. 146/77-78.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 324 Office, situated at IIIrd floor of Chandralok, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/a Swastic Construction Co., at S. D. Road, Secunderabad

(Transferor)

(2) Miss N Vijayalaxmi, D/o Dr. N. Balakrishna Reddy, H. No. 3-6-198 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

(3) Director of Minerals, Minerals Development Wing, Atomic Energy, at 111-S.D. Road, Secunderabad.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office premises bearing No 324 in IIIrd floor of Chandralok Complex, at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 409/77 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date 14-11-1977

Seal

FORM ITNS

(1) M/s Swastic Construction Co., at S. D. Road, Secunderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. R. Ashok Reddy, R/o Madpalli Village, Post Mahbabaad-Tq Warangal Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref. No. RAC No. 147/77-78.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 233 on IIInd floor of Chandralok Complex situated at Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 233 in IIInd floor of Chandra Lok Complex at III-at S.D. Road, Secunderabad, *vide* document No 410/77 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 14-11-1977
Seal

FORM ITNS

(1) M/s Swastic Construction Co., at S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt Helen, Sanaullah, Challet, No 2 "A" Sector, Berkhana, B.H.E.L. Bhopal, M.P.

(Transferee)

(3) M/s Dhanalaxmi Enterprises, M.G. Road, Secunderabad

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref No RAC. No 148/77-78.—Whereas I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing, Shop No 2 on Chandralok building, situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2 on the ground floor in Chandralok Complex, at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered *vide* Doc. No. 411/77 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 14-11-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Bachu Venkayya, S/o Gowrayya,
H. No 15-1-591 at Siddiembazar,
Hyderabad
(Transferor)

(2) Sri Avinash Gupta, S/o Bharatchand Gupta,
C/o Mussaddilal & Sons,
Jewellers, at Basheerbagh, Hyderabad
(Transferee)

(3) Emerald Tailors, Mulgi No. 42 in building No
5-8-512/A at Chiragali lane, Hyderabad.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transfer for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Mulgi No 42 in Building No 5-8-512/A at Chiragali lane,
Hyderabad, registered *vide* Doc. No. 544/77 in the office
of the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 14-11-1977

Seal .

FORM ITNS

(1) Smt. V. Seeta Bhanuathamma, W/o late Suryanarayana Rao, H. No. 7/149 at Godugupeta, Masulipatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref. No. RAC. No. 150/77-78.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/112, situated at Trunk Road, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 31-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Chinni Subbarao,
2. Chinni Subbukrishnamurthy, being minors, represented by father Shri Chinni Subbarayudu, C/o Andhra Pharma Distributors, & Co. Trunk Road, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No 16/112 at Trunk Road, Nellore, registered *vide* Document No 652/77 in the Office of the Sub-Registrar Nellore.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-11-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Smt. Khaja Begum W/o Late Shaik Hussain Ahmed,
C/o Setu Mohammed Ilyas Ahmadi,
"MAITHURNOOR"
Road No 1 Banjara Hills, Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ifthekhar Ahmed Noor, S/o
Dr. Nooruddin Saheb,
H. No. 23-2-141 at Mogulpura,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref. No. RAC. No 151/77-78.—Whereas I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 11-4-650/5, situated at Lakdikapul, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 31-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of premises bearing M. No. 11-4-650/5 situated at Lakdikapul, A-C. Guard, Hyderabad, registered *vide* Doc. No 762/77 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-11-1977
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Swastik Construction Co., at/11-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master Sudhir Kumar Agarwal, by father guardian Sri Tilak Raj Agarwal, C/o M/s United Steel Traders 8576 Distilary Road, Secunderabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 14th November 1977

Ref. No. RAC. No. 152/77-78—Whereas I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 134 on 1st floor of Chandralok Complex, situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 134 on the 1st floor of Chandralok Building in Compound No. 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered *vide* Document No. 386/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lt. Col. Trilok Nath Luther, s/o
Sh. Major Ram Nath Luther,
1/o B-260-A, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

(2) Smt Kartar Kaur Oberoi, w/o
Late Sardai Beant Singh Oberoi, r/o
90/59, Malviya Nagar, New Delhi
(2) Smt Harjeet Kaur, d/o
Smt Kartar Kaur Oberoi, w/o
Sh. M. S. Arora, r/o
C-VIII, 139, Naveen Niketan (Satdaijang),
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

New Delhi, the 14th November 1977

Ref. No. IAC/Acq I/SR III/1287/March-1(21)/76-77
3948—Whereas I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No B-260-A, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-3-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No 260-A, Block No 'B' measuring 307 50 sq yds in the residential colony known as Greater Kailash-I, in the Union Territory of Delhi, within the limits of Delhi Municipal Corporation, New Delhi and bounded as under:—

East . House No B-262
West Plot No B-260
North Road
South Service Lane

J. S. GILL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 14-11-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
17—356GI/77

FORM ITNS

(1) Shri Prem Nath Sahai, s/o
Shri Raghu Nandan Sahai, r/o
D-I/215, Lajpat Nagar, New Delhi (through his
G A Shri K K Sharma)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 14th November 1977

Ref. No. IAC/Acq I/SR. III/1296/March-II(13)/76-77/3948—Whereas I, J S GILL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No D-I/214, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 19-1-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Shri K. N. Sharma, s/o Shri Ralea Ram, r/o D-I/214, Lajpat Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No D-I/214 measuring 100 sq yds situated in Lajpat Nagar, New Delhi

J. S GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shanker Sen Gupta, s/o
Shri Dhruba Jyoti Sen Gupta,
1/o D-4, Hauz Khas, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-I (110001)

New Delhi, the 14th November 1977

Ref. No. IAC/Acq I/SR. III/76-77/Feb. I(21)/1250/3948—Whereas I, J. S. GILL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. Land 9 bigha,
situated at 18 Biswas at Village Tigri, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-2-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Satish Kumar Malhotra & Sh. Vipin, Kumar Malhotra, s/o Sh. Ram Parkash Malhotra, 1/o S-493, Greater Kailash-I, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold Agricultural land measuring 9 bigha and 18 Biswas, Khasra No. 243(4-16), 244(4-4), 244/2(0-12), 245(0-3) and 245/1/2/2(0-3), (khatuni No 2 & 4) situated in Village Tigri, Tehsil Mehrauli, New Delhi

J. S. GILL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 14-11-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4, 14A, ASAFAI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 8th November 1977

Ref No IAC/Acq III/262/77-78/3953—Whereas I, A I SUD, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

E-2/1, situated at Jhandewalan New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi on 5-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Banarsi Lal s/o Shri Jowanda Mal c/o National Copy Manufacturers, IV/970 Chatta Chippwara, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sant Bir Singh (HUF) through Karta S. Sant Bir Singh, 2 S. Shiv Bir Singh HUF through S. Shiv Bir Singh, 3 S. Amar Bir Singh HUF through Karta S. Amar Bir Singh, 4 Smt. Tej Partap Kaur w/o S. Sant Bir Singh, 5 Smt. Jaghinder Kaur w/o Sh. S. Shivbir Singh, 6 Smt. Surinder Kaur w/o S. Amar Bir Singh, all 1 to S-6 Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A lease-hold shop-cum-residential plot of land bearing No. 21 Block No. 2 measuring 265.8 sq. yds and situated in Jhandewalan Scheme No. F, New Delhi and bounded as under—

North	Road
South	30' wide road
East	Plot No. 20
West	Plot No. 22

A. I. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date 8-11-1977
Seal

FORM IIIS—

(1) Shri Bhati Ramchandia Wani
At & Post Boris, Dist. Dhulia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Narsingh Vagarsing Ghase,
At & Post Nikumbhe, Dist. Dhulia

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
60-61 PRANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

Poona-411004, the 7th November 1977

Rc. No. CA5/Dhulia/March' 77/347/77-78 --Whereas, I
Smt. P. Lalwani
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. Gat No. 603 situated at Mouja Boris (Shivai)
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Dhulia on 1-3-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Gat No. 603 at Mouja Boris, Tal & Dist
Dhulia, Area 15 acres & 36 gunthas

(Property as described in the sale deed registered under No
2366 dated 1-3-77 in the office of the Sub-Registrar, Dhulia)

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Smt. P. Lalwani,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date 7-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prabhakar Mahadeo Bhende,
C S No 220, Ward-C, Bhende Galli,
Kolhapur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 9th November 1977

Ref No CA5/Karvee/July '77/348.—Whereas, I, Smt P Lalwani
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and
bearing No
C T S. No 1455, H No. 3 situated at Karvee
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at
Karvee on July 1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(2) 1 Shri Mahadeo Gajanan Pawaskar
2 Shri Vitthal Gajanan Pawaskar
3. Shri Nivas Gajanan Pawaskar
4 Shri Rajendra Gajanan Pawaskar
5 Shri Uttar Gajanan Pawaskar
All at C.S. No 1730, Ward-D, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

Land at Karvee—C T S. No 1455 (H No 3)—1H—63 R
(Property as described in the sale deed registered under No
1302 in July 1977, in the office of the Sub-Registrar,
Karvee)

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Smt P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons
namely :—

Date 9-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills
Private Ltd;
Industrial Area 'A', Ludhiana

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Raghbir Singh Felt Mill Private Ltd,
Industrial Area 'A', Ludhiana

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT' COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE LUDHIANAObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ludhiana, the 9th November 1977

Ref No IDH/C/83/76-77—Whereas, I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot measuring 1308 sq yds situated at Industrial Area 'A', Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana on March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Plot measuring 1308 sq. yds situated at Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 2633 of March, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

Date : 9-11-1977

Seal :

FORM IINS

(1) Shri Raj Kumar, s/o Shri Ram Chand,
Resident of Khanna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bant Ram, s/o Shri Puran Chand,
Mohalla Gauan, Khanna

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDINGObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ludhiana, the 9th November 1977

Ref No KNN/1/76-77—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. No. Property as mentioned in the Registered Deed No 1616 of March, 1977 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khanna in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered deed No 1616 of March, 1977 of the Registering Officer, Khanna

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-11-1977
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 9th November 1977

Ref. No. I.HR/1/77-78—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot including house No 240, Phase No 1, situated at Mohali, Tehsil Kharar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely—
18—356GI/77

(1) Shri Mangal Singh Bhatti, s/o Shri Harbachan Singh, Village and Post Office Dhamot, Tehsil and District Ludhiana— Attorney-Smt Kulwant Kaur, w/o Shri Tarlok Singh, House No. 58, Sector 21-A, Chandigarh

(Transferor)

(2) Smt Chattai Kaur Sethi, w/o Shri Sat Pal Singh, C/o Shri S. S. Anand 524-B, Sector 35-A, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot including house No 240, Phase No 1, Mohali, Tehsil Kharar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4539 of March, 1977 of the Registering Officer, Kharar)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-11-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 9th November 1977

Ref. No RPN/4/76-77—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 177 kanal 12 marla (out of 372 kanal 1 marla) situated at Village Mukwal, Tehsil Roopnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roopnagar in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

- (1) S/shri
 - (i) Daya Ram, s/o Dharam Dass,
 - (ii) C. D. Sandhu,
 - (iii) Indru,
 - (iv) Sahib Ram,
 - (v) Moti,
 - (vi) Rattan,
 - (vii) Mrs. Kala,
 - (viii) Kamla,
 - (ix) Mrs. Satin,
 - (x) Baby Shyam Piuri,
 - (xi) Guloo,
 - (xii) Smt. Parvi Bai,
Residents of 76-Amar Colony, Lajpat Nagar,
New Delhi-24.

(Transferor)

- (2) S/shri
 - (i) Prem Partap Singh
 - (ii) Gurpartap Singh,

Ishet Singh Mujhel,
Residents of Chowk Buba Atal Sahib Amritsar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 177 kanal 12 marla out of 372 kanal 1 marla, situated at Village Mukwal, Tehsil Roopnagar

Khatu No 241/246, Khasia No 54

Property as mentioned in the registered deed No. 2767 of March, 1977 of the Registering Officer, Roopnagar.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 9-11-1977

Seal ,

FORM ITNS—

(1) Shri Charan Singh son of Shri Arjan Singh, Resident of College Road, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th November 1977

Ref No I.DH/C/76/76-77—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No B XIX 537-538 measuring 253 Sq. Yds. situated at Taraf Galawal, Tehsil, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt Brij Rani w/o Ram Roop & Shri Ram Moorti son of Shri Nemait Rai, Resident of Mohalla Sudan, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

House No. BXIX 537-538 measuring 253 Sq. yds. situated at Taraf Galawal Tehsil Ludhiana.

(Property as mention in the registered deed No. 2538 of March, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Sat Pal S/o Sh. Banarsi Dass
Resident of 30, Netaji Subhash Nagar,
Delhi-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Industrial Gas Corporation
30-Netaji Subhash Marg,
Delhi-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1977

Ref. No. PTA/DLI/1/77-78.—Whereas I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No 1/10 Share of Factory No 94 Maula Bax Ginning Factory situated at Sirhind, Patiala, (and more fully described in the Schedule Part I annexed has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1977

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10 share of factory No 94, Maula Bax Ginning & Pressing Factory situated Sirhind, Patiala

(Property as mentioned in the Registration Deed No. 123 of March, 1977 of the Registering Officer Delhi).

L. P. DHIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh Govind Ram S/O
Sh Banarsi Dass
30, Netaji Subhash Marg,
Delhi-2

(Transferor)

(2) M/s Industrial Gas Corporation
30-Netaji Subhash Marg,
Delhi-2

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th November 1977

Ref No PTA/DLI/2/77-78—Whereas I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

No 1/10 Share of Factory No 94, Maula Bax Ginning & Pressing Factory, situated at Sirhind, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act of the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10 share of factory No. 94, Maula Bax Ginning & Pressing Factory situated Sirhind, Patiala

(Property as mentioned in the Registration Deed No 124 of March, 1977 of the Registering Officer Delhi)

L. P. DHIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 16-11-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Acquisition Range, Ludhiana
 CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th November 1977

Ref. No. PTA/DLI/3/77-78.—Whereas I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/10 Share of Factory No 94, Malula Bax Ginning & Pressing Factory, situated at Sirhind, Patiala, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,'* in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Sh. Mahabir Parshad s/o Sh. Banarsi Dass
 30, Netaji Subhash Marg,
 Delhi-2.

(Transferor)

(2) M/s. Industrial Gas Corporation
 30-Netaji Subhash Marg,
 Delhi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10 share of factory No 94, Malula Bax Ginning & Pressing Factory situated Sirhind, Patiala

(Property as mentioned in the Registration Deed No. 125 of March, 1977 of the Registering Officer Delhi).

L. P. DHIR
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Date 16-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Babu Ram S/o
Sh. Banarsi Dass
30, Netaji Subhash Marg,
Delhi-2.

(Transferor)

(2) M/s Industrial Gas Corporation
30-Netaji Subhash Marg,
Delhi-2

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th November 1977

Ref. No PTA/DLI/4/77-78 —Whereas I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No No 1/10 Share of Factory No 94, Maula Bax Ginning & Pressing Factory, situated at Sirhind, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10 share of factory No. 94, Maula Bax Ginning & Pressing Factory situated Sirhind, Patiala.

(Property as mentioned in the Registration Deed No. 126 of March, 1977 of the Registering Officer Delhi).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

L. P. DHIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date . 16-11-1977
Seal .

FORM ITNS

(1) Sh. Ravinder Kumar s/o
Sh. Banarsi Dass
30, Netaji Subhash Marg,
Delhi-2.

(Transferor)

(2) M/s Industrial Gas Corporation
30-Netaji Subhash Marg,
Delhi-2

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 16th November 1977

Ref No. PTA/DLI/5/77-78.—Whereas, I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 1/10 Share of Factory No 94, Maula Bax Ginning & Pressing Factory, situated at Sirhind, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/10 share of factory No. 94, Maula Bax Ginning & Pressing Factory situated Sirhind, Patiala

(Property as mentioned in the Registration Deed No 127 of March, 1977 of the Registering Officer Delhi).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. P. DHIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 16-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Harmit Kaur, w/o Sh. Harpreet Singh, House No 8/25, Double Storey, Jungpura Extn., New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gurvinder Singh & Manjeet Singh, ss/o Shri Baldev Singh, r/o H No. 8/24, Double Storey, Jungpura Extension, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House bearing No 8/25 measuring 286 sq. ft. situated at Double Storey, Jungpura Extension, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. S. GILL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-1977

Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Hail Krishan Kapoor, s/o Shri Murali Lal, r/o C-464, Defence Colony, New Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amar Nath Chadha, s/o Late Shri Mohan Lal Chadha, r/o B-II-27, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 18th November 1977

Ref No. IAC/Acq I/SR.III/107/Aug 1(10)/77-78/4077—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-55, situated at Soami Nagar Colony, Village Chirag Delhi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-8-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. B-55 measuring 500 sq. yds. situated at Soami Nagar Colony, Near Village Chirag Delhi, New Delhi, in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

North : 150' wide road
South : 15' wide Service Lane
East : Plot No. 8-56
West : Plot No. B-84.

J. S. GILL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 18-11-1977

Seal

FORM ITNS—

(1) Brig N. T. Nathan, s/o Late Rao Bahadur V. Natesan, r/o 31, Sangli Hostel, Lytton Road, New Delhi; 2 Smt. Lukshmi Nathan, w/o Brig. V. N. T. Nathan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 18th November 1977

(2) Joan Kalra, w/o Shri Ramesh Kalra r/o CC-20, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref No IAC/Acq I/SR III/127/March-I(8)/77-78/4071 —
Whereas, I, J S GILL,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Agri Land 17 Bigha 17 Biswas, situated at Village & Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-3-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A free-hold Agricultural land measuring 17 bigha and 17 biswas, khasra No. 45-11/1(4-10), 44-(3-2) (-19), 14-14/1 (4-15), 44-15/1 (4-11), 44-27 (-9), 44-8/2 (-13), 44-7 (1-18), situated at Village and Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957),

J. S. GILL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-11-1977

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G.
 ROAD, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 14th November 1977

Ref L.C No. 149/77-78—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per scheduled, situated at Ernakulam village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ernakulam on 10-3-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (i) P. N. Kesavan Nair, s/o Narayana Pillai, E. P. 1/25, Kadungallur, Eloor
 (ii) Jayasankar (minor) by guardian P. N. Kesavan Nair
 (iii) Santhi (minor) by guardian P. N. Kesavan Nair

(Transferor)

(2) V. Vasudeva Menon, s/o Panikkaveettill Raman Nair, Jayaram Nivas, Vytila, Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building bearing door No. XXXVI/754, Cochin Corporation along with 5 608 cents of land in Sy. No. 539/1 of Ernakulam village vide schedule to doc No 627/77 dated 10-3-1977 of Sub-Registry Ernakulam.

C. P. A. VASUDEVAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Ernakulam

Date 14-11-1977.
 Seal :